दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM
आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22
वर्ष-4 अंक-332 भोपाल, गुरुवार 14 अक्टूबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

आज का सुविचार

मानव जीवन धूल की तरह होता है, हम इसे रो-धोकर इसे कीचड़ बना देते हैं।
-बकुल वैद्य

पंचांग

आश्विन शुक्ल पक्ष नवमी, गुरुवार 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:17/ 5:56
वर्षा/बादल %	0 %
नमी %	30 %
वायु (किमी/घं.)	13
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	34°/21°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 48,840

शेयर सूचकांक

बीएसई	60737.05	+452.74
निफ्टी	18161.75	+169.80

गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान की शुरुआत : प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-

आज का भारत समय पर प्रोजेक्ट पूरे कर रहा, पुरानी सोच पीछे छोड़ रहा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान का शुभारंभ किया। 100 लाख करोड़ रुपए की इस योजना के तहत रेल और सड़क समेत 16 मंत्रालयों को डिजिटली कनेक्ट किया जाएगा। इससे इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजक्ट्स में तेजी आएगी। इसके तहत शुरुआत में 16 ऐसे मंत्रालयों की पहचान की गई है जो बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का काम देखते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को गति शक्ति योजना का ऐलान किया था।

इससे विकास की गति होगी तेज

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज दुर्गा अष्टमी है। पूरे देश में आज कन्या पूजन हो रहा है। आज देश की प्रगति को शक्ति देने का शुभ कार्य हो रहा है। यह 21वीं सदी के भारत के निर्माण को नई ऊर्जा देगा।

विकास के रास्ते की रुकावट को दूर करेगा और भारत के विकास को गति देगा। एक पोर्टल से सभी योजनाओं की जानकारी मिलेगी। देसी हैंडीक्राफ्ट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखेंगे। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों को लगता था कि जैसा चल रहा है, वैसा चलने दो आज का भारत समय पर प्रोजेक्ट को पूरा कर रहा है। सरकारी शब्द का मतलब पहले बिगड़ गया था, लोगों को लगता था कि सरकारी मतलब क्वालिटी खराब है। लेकिन अब भारत 21वीं सदी में पुरानी सोच पीछे छोड़ रहा हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि सरकारी विभागों के बीच आपसी तालमेल की कमी देखी जाती है। इस वजह से जो प्रोजेक्ट अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाले होते थे। वे ही कमजोर पड़ जाते थे। कई प्रोजेक्ट्स लटक जाते थे। मैं 2014 में जब प्रधानमंत्री बना तो देश में लाखों करोड़ों के प्रोजेक्ट अटके पड़े थे। हमने सारी रुकावटों को दूर करने का प्रयास किया।

पिछले 70 सालों की तुलना में तेजी से काम कर रहा भारत

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 70 सालों की तुलना में भारत तेजी से काम कर रहा है। पहली नेचुरल गैस पाइपलाइन 1987 में कमीशन हुई थी। फिर साल 2014 तक 27 साल में देश में 15 हजार किलोमीटर नेचुरल गैस पाइपलाइन बनी। आज देशभर में 16 हजार किलोमीटर से ज्यादा गैस पाइपलाइन पर काम चल रहा है। जितना काम 27 साल में हुआ, उससे ज्यादा काम हम उसके आधे समय में करने वाले हैं। कहीं पोर्ट होते थे तो उनको कनेक्ट करने वाले रेल-सड़क मार्ग नहीं होते थे। इससे एक्सपोर्ट, लॉजिस्टिक कॉस्ट बढ़ी। ये आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में रुकावट है। एक स्टडी के मुताबिक, भारत में लॉजिस्टिक कॉस्ट जीडीपी का करीब 13 फीसदी है। दुनिया के बड़े देशों में ऐसी स्थिति नहीं है।

वर्क इन प्रोग्रेस का बोर्ड बन गया था अविश्वास का प्रतीक

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि टैक्स के पैसे को इस्तेमाल करते वक्त सरकार में भावना नहीं होती थी कि उसको बर्बाद ना होने दिया जाए। लोगों को भी लगने लगा कि ऐसा ही चलता रहेगा। हर जगह वर्क इन प्रोग्रेस लिखा दिखता था। लेकिन वह काम समय पर या कभी पूरा होगा या नहीं इसको लेकर कोई भरोसा नहीं था। वर्क इन प्रोग्रेस का बोर्ड अविश्वास का प्रतीक बन गया था। लेकिन अब ये सोच बदल रही है। प्रधानमंत्री ने बताया कि आने वाले 4-5 साल में देश में 200 से ज्यादा नए एयरपोर्ट, हेलीपैड और वाटर एयरडोम बनने जा रहे हैं। देश के किसानों, मछुआरों की आय बढ़ाने पर काम चल रहा है।

लखीमपुर पर सरकार की चुप्पी के सवाल पर वित्त मंत्री बोलीं-

किसानों का मारा जाना बेशक निंदनीय लेकिन ऐसी हर घटना को उठाना चाहिए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

उप्र के लखीमपुर मामले और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र के बेटे आशीष की चर्चा अमेरिका में भी हो रही है। वर्ल्ड बैंक की बैठक में शामिल होने गईं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से इस बारे में सवाल किया गया। बोस्टन के हार्वर्ड केनेडी स्कूल में एक चर्चा के दौरान सीतारमण से पूछा गया कि प्रधानमंत्री और वरिष्ठ मंत्री लखीमपुर की घटना पर चुप क्यों हैं और जब कोई सवाल किया जाता है तो बचने की कोशिश क्यों की जाती है? इस पर वित्त मंत्री ने कहा कि लखीमपुर की हिंसा में 4 किसानों का मारा जाना बेशक निंदनीय है, लेकिन देश के दूसरे इलाकों में भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं। ऐसी हर घटना को बराबरी से उठाना चाहिए, न कि तब जब कि वे आपके माफिक हों। सिर्फ इसलिए यह मुद्दा नहीं उठना चाहिए कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार है। सीतारमण ने कहा, मैं चाहूंगी कि आप सभी लोग और डॉ. अर्मत्य सेन जो भारत को अच्छी तरह जानते हैं उन्हें हर बार ऐसे मुद्दों को उठाना चाहिए। मेरे कैबिनेट सहयोगी के बेटे शायद मुश्किल में हैं और ये मान भी लें कि जो कुछ हुआ उन्होंने ही किया, किसी और ने नहीं किया, तो भी कानून के तहत जांच प्रक्रिया पूरी होगी।

सीतारमण ने आगे कहा, %मेरी पार्टी या प्रधानमंत्री इस मामले को लेकर डिफेंसिव नहीं है, बल्कि भारत को लेकर डिफेंसिव है। मैं भारत की बात करूंगी, मैं गरीबों को न्याय की बात करूंगी। हमें तथ्यों पर बात करनी चाहिए। यही मेरा जवाब है।%

मुद्दे सिर्फ इसलिए न उठाए जाएं कि वे आपके माफिक हैं

देश के दूसरे इलाकों में भी लखीमपुर जैसी घटनाएं हो रहीं

-बोस्टन में चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

कृषि कानूनों पर हर पक्ष से चर्चा की गई, हंगामा बेवजह

किसानों के प्रदर्शन को लेकर किए गए सवाल पर वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार जो तीन कृषि कानून लेकर आई है उन पर करीब एक दशक तक अलग-अलग संसदीय समितियों ने चर्चा की थी। भाजपा जब 2014 में सत्ता में आई तो राज्य सरकारों समेत सभी पक्षों से कृषि कानूनों पर बात की गई थी। जब लोकसभा में बिल लाए गए तो भी विस्तार से चर्चा हुई और कृषि मंत्री ने जवाब दिया था।

पाकिस्तानी आतंकी का खुलासा

दिल्ली हाईकोर्ट के बाहर हुए बम धमाकों में शामिल था असरफ, 2 साल राजस्थान में रहकर झाड़-फूंक करता रहा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दिल्ली के लक्ष्मीनगर से गिरफ्तार पाकिस्तानी आतंकी मोहम्मद असरफ के मामले में नए-नए खुलासे हो रहे हैं। वह 2011 में दिल्ली हाईकोर्ट के सामने हुए बम धमाकों में शामिल रहा है। पूछताछ में उसने धमाकों के पहले हाईकोर्ट की कई बार रेकी करने की बात कबूल की है। असरफ ने दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर और ISBT की भी रेकी की थी। आतंकी ने बताया है कि जम्मू-कश्मीर में उसके सामने आतंकियों ने कई बार सेना के जवानों का अपहरण किया। कुछ समय तक बंधक बनाकर रखा और बाद में हत्या कर दी।

असरफ का राजस्थान कनेक्शन:- असरफ 2005-06 में राजस्थान के अजमेर में भी रहा। यहां झाड़ फूंक कर अपना समय बिताया। उसने पीर-फकीर बनकर कई इलाकों की रेकी की। आतंकी की हैंडलिंग पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ कर रही थी। उसके हैंडलर का कोड नेम नासिर था। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल के DCP प्रमोद कुशवाहा की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार पकड़े गए आरोपी मोहम्मद असरफ के पास से कई फर्जी ढ्ढष्ठ मिलीं हैं। इनमें से एक अहमद नूरी के नाम की ढ्ढष्ठ थी। इसने भारतीय पासपोर्ट भी हासिल कर लिया था और थाईलैंड व सऊदी अरब की यात्रा भी की थी। डॉक्युमेंट्स बनवाने के लिए इसने गाजियाबाद में एक भारतीय महिला से शादी की थी। उसके पास बिहार की ID थी। असरफ पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI के संपर्क में 2001 में आया।

पाकिस्तान के पंजाब के नरोवाल का है आतंकी | दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया

कोरोना ने नई चिंता बढ़ाई : कोरोना से उबरने वाले मरीजों में मिला नया फंगस

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर में सबसे ज्यादा डराने वाले म्यूकरोमाइकोसिस (ब्लैक फंगस) के प्रकोप के बाद अब इस महामारी से जुड़ा एक नया फंगस सामने आया है। चिकित्सकीय भाषा में एस्पर्गिलस आस्टियोमाइअलाइटिस कहलाने वाले इस बेहद दुर्लभ किस्म के फंगस से होने वाला संक्रमण कोरोना पीड़ितों के मुंह या फेफड़ों में रीढ़ की हड्डी में होने वाली ञ्जक्च जैसे लक्षण पैदा कर रहा है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पुणे में पिछले तीन महीने में कोविड-19 (कोरोना संक्रमण) से उबरने वाले चार मरीजों में इस नए फंगस के लक्षण मिले हैं, जिसने चिकित्सा जगत को चिंता में डाल दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 66 साल के एक मरीज प्रभाकर (परिवर्तित नाम) को कोरोना संक्रमण से उबरने के एक महीने बाद हल्के बुखार और बेहद गंभीर तेज दर्द वाले कमर दर्द की शिकायत शुरू हुई। चिकित्सकों ने शुरुआत में प्रभाकर का इलाज मांस-पेशियों को आराम देने वाले और बिना स्टेरॉयड से इलाज किया, जिससे राहत नहीं मिली।

उपराष्ट्रपति वेंकैया के अरुणाचल दौरे से चीन तिलमिलाया: ड्रैगन बोला-

अरुणाचल को भारत ने गैरकानूनी ढंग से बनाया, यह हमारा झांगनान इलाका है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत के उपराष्ट्रपति एम वेकैंया नायडू के अरुणाचल प्रदेश के दौरे से चीन तिलमिला गया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा कि चीन भारत के उपराष्ट्रपति की हाल की अरुणाचल यात्रा का कड़ा विरोध करता है। लिजियन ने कहा कि चीन अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं देता है। भारत का इस इलाके पर दावा अवैध है। इस इलाके को चीन में झांगनान कहा जाता है। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम ऐसी टिप्पणियों को खारिज करते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का एक अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। भारतीय नेता नियमित रूप से राज्य की यात्रा करते हैं, जैसे वे भारत के किसी दूसरे राज्य में करते हैं।

अब ट्विटर सर्विस डाउन : कई यूजर्स के ट्विटर लॉगइन में आ रही प्रॉब्लम, ऐप भी हो रहा डाउन

» एक दिन पहले जीमेल का भी हुआ था ऐसा हाल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर के डाउन होने की खबर आ रही है। किसी भी वेबसाइट और सर्विस की रियलटाइम जानकारी देने वाले प्लेटफॉर्म डाउन डिटेक्टर के मुताबिक, देश के 450 से ज्यादा यूजर्स को ट्विटर अकाउंट में प्रॉब्लम आ रही है। इनमें से 55 फीसदी लोगों को ट्विटर के वेबसाइट में, 35 फीसदी लोगों के ट्विटर के ऐप पर और 11 फीसदी को सर्वर से जुड़ी एरर आ रही है। ट्विटर के डाउन होने के पीछे क्या कारण है, अभी इसे लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें कि एक दिन पहले इस तरह की प्रॉब्लम जीमेल में आई थी। वहीं, बीते सप्ताह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक को दो बार आउटेज का सामना करना पड़ा।

एक दिन पहले जीमेल हुआ था डाउन

12 अक्टूबर को गूगल की GMAIL सर्विस आउटेज की वजह से ट्विटर पर #GmailDown ट्रेंड कर रहा था। यहां पर कई यूजर्स इसकी सर्विस डाउन होने की बात बताई। डाउन डिटेक्टर के अनुसार, 68 फीसदी यूजर्स ने बताया कि वे वेबसाइट में समस्याओं का सामना कर रहे थे। 18 फीसदी ने सर्वर कनेक्शन की सूचना दी थी। वहीं, 14 फीसदी ने लॉगिन प्रॉब्लम के बारे में बताया। इस वजह से लोग ईमेल नहीं भेज पा रहे थे। भारत के साथ कुछ अन्य देशों के यूजर्स ने भी ट्विटर पर ऐसी शिकायत की थी।

वॉट्सऐप बंद हुआ, टेलीग्राम ने जोड़े 7 करोड़ यूजर्स:- 5 अक्टूबर को टेलीग्राम ऐप से 7 करोड़ यूजर्स जुड़े। टेलीग्राम की इस बड़ी कामयाबी के पीछे फेसबुक आउटेज का बड़ा हाथ रहा। दरअसल, इसी दिन शाम को फेसबुक समेत वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम ठप हो गए थे। जो 6 घंटे से ज्यादा बंद रहे। इन प्लेटफॉर्म के बंद होने का फायदा टेलीग्राम को मिला। टेलीग्राम पर मंथली एक्टिव यूजर्स की संख्या 500 मिलियन (50 करोड़) के पार हो गई है।

फेसबुक बंद होने से परेशान हुए थे यूजर्स

सप्ताह भर पहले फेसबुक को दो बार आउटेज का सामना करना पड़ा। जिसके बाद उसने माफी भी मांगी। सप्ताह के शुरुआत में जब फेसबुक आउटेज हुआ था तब फेसबुक के साथ वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम बंद हो गए थे। आउटेज की समस्या कई घंटे बीतने के बाद भी बनी रही, ऐसे में लोग न मैसेज भेज पा रहे थे और न ही रिसीव कर पा रहे थे। ऐसे में फेसबुक ने माफी मांगते हुए लिखा था... कुछ लोगों को ऐप इस्तेमाल करने में दिक्कत हो रही है। हम इसके लिए माफी मांगते हैं। जल्द ही इस समस्या को ठीक कर लिया जाएगा।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

आईटीडीसी Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY 29 STATES ATTENTION Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्वयर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 K M दुरी संपर्क, 8889911680, 7611127324 , 7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रुपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)-(Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8962643902, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्द्रीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुविधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Apparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class , pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345, 9425008604

ITDC JOB आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8435999875 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया उद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds — 98 26 22 00 22

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLENCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile :9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोसेंज , होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox'om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile-9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिंग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale: Inside Complex, 10x11 fts, ground floor, DIG Bungalow, Berasia Road, Bhopal Mb 7000831264, 9752705333

To let Shop: Inside Complex, 10x14 fts, ground floor, Arera Colony, 10 No Market, Bhopal Mb 7000831264, 9752705333

BOOK YOUR TICKET IN 60 SECONDS
AIR TRAIN BUS
JUST CLICK www.bookmyticketonline.in

Job Openings ITDC VACANCIES

खबर की खबर

उज्जैन: महाष्टमी पर कलेक्टर-एसपी ने देवी को लगाया मदिरा का भोग

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शारदीय नवरात्र की महाष्टमी पर बुधवार प्रातः कलेक्टर आशीषसिंह एवं एसपी सत्येंद्र शुक्ल ने चौबीस खंबा माता मंदिर पहुंचकर देवी महामाया और महालया की पूजा की तथा मदिरा का भोग लगाया।

सम्राट विक्रमादित्य के समय से चली आ रही इस परंपरा के तहत आपदाओं से मुक्ति एवं जनता की सुख समृद्धि की कामना करते हुए चैत्र एवं शारदीय नवरात्र की महाष्टमी पर नगर पूजा सम्पन्न होती है।

बुधवार सुबह कलेक्टर एवं एसपी ने पूजा सम्पन्न की।

इस पूजा की खास बात यह है कि तत्कालीन रियासतों के समाप्ति और देश की आजादी के बाद से तहसीलदार के कोष से नगर पूजा हेतु राशि प्रदान की जाती है। इसे शासकीय पूजा भी कहते हैं। इस पूजा में नगर के तहसीलदार,सभी पटवारी,कोटवार आदि चंदा करते हैं और पूजा की तैयारी करते हैं।

एक दिन पूर्व रात्रि में बरबाकल(पूड़ी,भजिये,खाजे आदि)तैयार की जाती है। इन्हें टोकनों में भर दिया जाता है। साथ ही देशी,विदेशी मदिरा की बोतलें रखी जाती हैं। नगर पूजा प्रारंभ होने के बाद कलेक्टर नगर पूजा के लिए तहसीलदार,पटवारियों एवं कोटवारों के दल को ढोल के साथ रवाना करते हैं। नगर पूजा की शुरुआत देवी महामाया और महालया को मदिरा के भोग लगाने से होती है।

वहीं नगर पूजा के लिए प्रस्थान से पूर्व पीतल के लोटे के पेंदे में छेद किया जाता है और उसमें 27 किमी लम्बी नगर पूजा के दौरान सतत मदिरा डाली जाती है। लोटे से मदिरा की धारा 27 किमी तक चलती है। पटवारी टोकनों से बरबाकल डालते जाते हैं।

ऐसी मान्यता है कि रास्ते भर भूत,प्रेत आदि इस भोजन को करते हैं तथा मदिरा का सेवन करते हैं। ऐसा होने से वे नगर की प्रजा को परेशान नहीं करते हैं तथा नगरवासी खुशहाल रहते हैं।

नगर पूजा के दौरान 27 किमी मार्ग पर देवी मंदिर,हनुमान मंदिर,भैरव मंदिर आते हैं। देवियों को श्रृंगार सामग्री,हनुमानजी को जनेऊ तथा सिंदूर और भैरव को सिंदूर से चोला चढ़ाया जाता है।

साथ ही प्रमुख मंदिरों पर पूजा के दौरान प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहते हैं। पूजा के समापन के बाद यह दल महाकाल मंदिर आता है। यहां शिखर का ध्वज बदला जाता है। यह पूजा उज्जैन में प्रारंभ हो चुकी है। पूजा का समापन बुधवार शाम को होगा।साथ ही प्रमुख मंदिरों पर पूजा के दौरान प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहते हैं। पूजा के समापन के बाद यह दल महाकाल मंदिर आता है। यहां शिखर का ध्वज बदला जाता है। यह पूजा उज्जैन में प्रारंभ हो चुकी है। पूजा का समापन बुधवार शाम को होगा।

YES NO
BREAKING NEWS
खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत
PRESS ITDC ITDC NEWS www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

कारदेखो बना यूनिकॉर्न उसङ्ने इक्विपटी और डेट के जरिए 1884 करोड़ रुपए से ज्यादा जुटाए, अगले साल आ सकता है IPO

नई दिल्ली। पुरानी और नई कारों को बेचने वाला प्लेटफॉर्म कारदेखो ने इक्विटी और डेट के जरिए 250 मिलियन डॉलर (करीब 1884 करोड़ रुपए) जुटाए हैं। इसके साथ ही इसका वैल्यूएशन 1.2 बिलियन डॉलर (करीब 9 हजार करोड़ रुपए) हो गया है। माना जा रहा है कि अगले साल इसका IPO आ सकता है। लीपफ्रॉग इन्वेस्टमेंट्स के नेतृत्व में मिराए एसेट, फ्रैंकलिन टेम्पलटन, कैन्यन पार्टनर्स और हार्बर स्प्रिंग कैपिटल जैसे अन्य नए इन्वेस्टर्स ने इसमें निवेश किया है। इसके मौजूदा इनवेस्टर्स में सिकोइया कैपिटल, हिलहाउस कैपिटल और गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट की इनवेस्टमेंट यूनिट CapitalG शामिल है। कारदेखो 2021 में भारत का 33वां यूनिकॉर्न बन गया है। यूनिकॉर्न ऐसे स्टार्टअप को कहा जाता है जिसका वैल्यूएशन कम से कम एक अरब डॉलर का है। पिछले फंडिंग राउंड में ष्टड्डह्म्ष्टद्गद्मद्धश की वैल्यू लगभग 70 करोड़ डॉलर की थी।

प्लेटफॉर्म पर 3000 से ज्यादा कारें मौजूद:-कारदेखो 100 से ज्यादा बाजारों में कार खरीदता है और इसके प्लेटफॉर्म पर 3000 से अधिक कारें हैं, जिनका एनुअल रेवेन्यू रन रेट 100 मिलियन डॉलर (करीब 753 करोड़ रुपए) है। कारदेखो के पास इंश्योरेंस वर्टिकल भी है, जिसने हाल ही में एक बायर फोकस्ड प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। कारदेखो के कोफाउंडर और सीईओ, अमित जैन ने कहा कि नए फंडरेज को बेचने से हमें अपने यूज्ड-कार लेनदेन और वित्तीय सेवाओं के व्यवसाय का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

2019 में 6033 करोड़ थी वैल्यू:-
2019 के आखिर में कारदेखो की वैल्यू 800 मिलियन डॉलर (करीब 6033 करोड़ रुपए) थी। ये उस वक्त सबसे वैल्यूएबल स्टार्टअप था। इसका मूल्यांकन हाल ही में कार्स 24 और स्पिनी द्वारा पार किया गया था। कार्स 24 ने सॉफ्टबैंक के नेतृत्व में निवेशकों से फंडिंग की और इसकी वैल्यू 1.8 बिलियन डॉलर (करीब 13 हजार करोड़ रुपए) है।

शेयर एक साल के ऊपरी स्तर पर पहुंचा : टीपीजी राइज टाटा मोटर्स में 7,500 करोड रुपए का करेगी निवेश, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए होगा निवेश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी में टीपीजी राइज 7,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए अलग से कंपनी बना रही है। इसी कंपनी में यह निवेश आएगा।

420 रुपए पर पहुंचा शेयर का भाव

टाटा मोटर्स का शेयर मंगलवार को एक साल के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया। यह 420 रुपए पर बंद हुआ। हालांकि सोमवार को इसमें 8 फीसदी की तेजी आई थी। एक महीने पहले शेयर का भाव 293 रुपए था जो अब 40 फीसदी बढ़ चुका है। तीन दिनों में ही यह शेयर 24 फीसदी बढ़ा है।

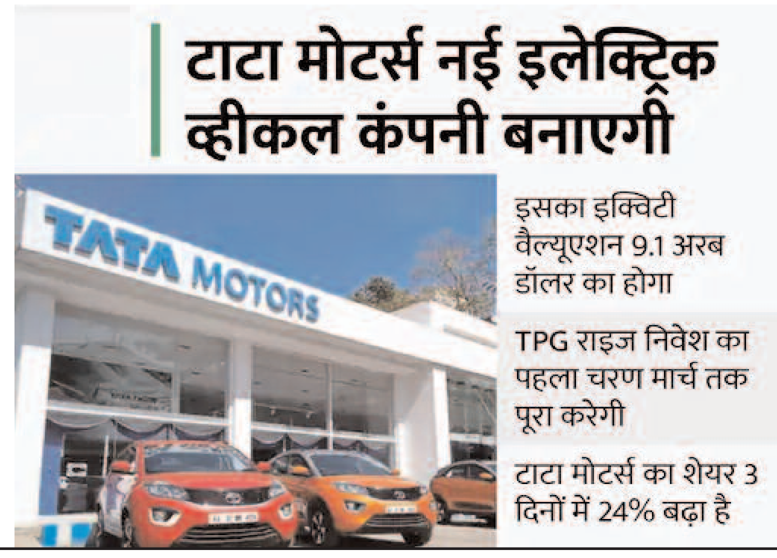

स्टॉक एक्सचेंज को दी जानकारी

टाटा मोटर्स ने स्टॉक एक्सचेंज को यह जानकारी दी है। कंपनी ने कहा कि उसके बोर्ड ने टीपीजी राइज के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। टाटा मोटर्स इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए नई कंपनी बनाएगी। यह कंपनी भारत में इलेक्ट्रिक बिजनेस को देखेगी। टाटा इलेक्ट्रिक व्हीकल में टेस्ला के साथ मुकाबला कर सकती है। टेस्ला भारत में आक्रामक प्लान के साथ आ रही है।

टीपीजी को जारी किए जाएंगे शेयर

टाटा मोटर्स ने कहा कि नई कंपनी 5 करोड़ ए-1 कंपल्सरी कनवर्टिबल प्रफरेंसेस शेयर जारी करेगी। जबकि 2.5 करोड़ ए-2 कंपल्सरी कनवर्टिबल प्रफरेंसेस शेयर जारी करेगी। यह दोनों शेयर टीपीजी को जारी किए जाएंगे। इसके एवज में टीपीजी 7,500 करोड़ रुपए का निवेश करेगी।

टीपीजी राइज 11 से 15 फीसदी हिस्सा ले सकती है

इस कनवर्टिबल शेयर के जरिए टीपीजी राइज 11 से 15 फीसदी हिस्सा नई बनने वाली कंपनी में लेगी। नई कंपनी का इक्विटी वैल्यूएशन 9.1 अरब डॉलर का होगा। टीपीजी राइज टाटा इलेक्ट्रिकल व्हीकल कंपनी में अगले 18 महीने में यह पैसा डालेगी। टाटा मोटर्स की जब इलेक्ट्रिक कंपनी बन जाएगी तब टाटा मोटर्स और टीपीजी राइज शेयरहोल्डर्स एग्रीमेंट बनाएंगे।

पांच महीने के निचले स्तर पर पहुंची रिटेल महंगाई

सब्जियों के दाम 22 फीसदी गिरे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
त्योहारी सीजन से पहले सरकार और आम जनता, सबके लिए अच्छी खबर है। सितंबर में रिटेल महंगाई दर गिरकर पांच महीने में सबसे कम रह गई। अगस्त में 5.3 फीसदी रही रिटेल महंगाई दर पिछले महीने 4.35 फीसदी रह गई। यह जानकारी सरकार की तरफ से जारी आंकड़ों से मिली है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सब्जियों के दामों में 22 फीसदी गिरावट आई।

अगस्त में 3.11 फीसदी रहा फूड इन्फ्लेशन 0.68 फीसदी पर आ गया:- सबसे अच्छी बात यह है कि सितंबर में खाने-पीने के सामान में भी महंगाई कम हुई है। अगस्त में 3.11 फीसदी रहा फूड इन्फ्लेशन पिछले महीने 0.68 फीसदी पर आ गया। इस तरह खुदरा महंगाई दर लगातार तीसरे महीने रिजर्व बैंक के कंफर्ट जोन यानी 2 फीसदी से 6 फीसदी (4 फीसदी से 2 फीसदी ऊपर या नीचे) के दायरे में रही है।

सब्जियों के दाम में आई 22 फीसदी की तेज गिरावट

सब्जियों के दाम में 22 फीसदी की गिरावट आई जबकि फूड एंड बेवरेजेज सेगमेंट में इन्फ्लेशन 1.01 फीसदी बढ़ा। फ्यूल और लाइट कैटेगरी में महंगाई 13.63 फीसदी के ऊपरी लेवल पर रही। आरबीआई ने हालिया मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग में इस वित्त वर्ष के लिए महंगाई का अनुमान 5.7 फीसदी से घटाकर 5.3 फीसदी कर दिया था।

8 अक्टूबर के मॉनिटरी पॉलिसी रिव्यू में भी आरबीआई का फोकस ग्रोथ पर था

गौरतलब है कि 8 अक्टूबर के मॉनिटरी पॉलिसी रिव्यू में भी आरबीआई का फोकस ग्रोथ पर था। इसलिए उसकी तरफ से पॉलिसी रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया। उसने रेपो रेट (जिस रेट पर बैंक उससे लोन लेते हैं) को पहले की तरह 4 फीसदी और रिवर्स रेपो रेट को 3.35 फीसदी पर बनाए रखा है।

दुनियाभर में स्टैगफ्लेशन वाली स्थिति बनने की चिंता बढ़ रही है

HDFC बैंक की सीनियर इकोनॉमिस्ट साक्षी गुप्ता कहती हैं, महंगाई के मोर्चे पर स्थितियां बेहतर नजर आ रही हैं लेकिन दुनियाभर में स्टैगफ्लेशन वाली स्थिति बनने की चिंता बढ़ रही है। स्टैगफ्लेशन वाली स्थिति में आर्थिक वृद्धि दर कम लेकिन महंगाई दर ज्यादा रहती है।

दिसंबर से बेस इफेक्ट खत्म होने पर मंहगाई में तेज उछाल आने का जोखिम:- गुप्ता के मुताबिक, एनर्जी शॉर्टेज और क्रूड के दाम में बढ़ोतरी का असर दूसरी कमोडिटी के उत्पादन और दाम पर पहले से ही दिखने लगा है। दिसंबर से जब बेस इफेक्ट का असर खत्म होने लगेगा तो मंहगाई में तेज उछाल आने का जोखिम पैदा होगा। इस बीच अगस्त के इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन में सुधार आया है। IIP अगस्त में बढ़कर 11.9 फीसदी हो गया जो जुलाई में 11.5 फीसदी था। पिछले साल अगस्त में IIP नेगेटिव 7.1 फीसदी रहा था।

भारी-भरकम पैकेज

एलआईसी में चेयरमैन से ज्यादा सैलरी मिलेगी CFO को, सालाना 75 लाख से 1 करोड़ होगी सैलरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम CFO को चेयरमैन से ज्यादा सैलरी देगी। CFO को सालाना 75 लाख से 1 करोड़ रुपए के बीच सैलरी मिलेगी। जबकि चेयरमैन को सालाना 35 लाख रुपए सैलरी मिलती है।

हाल में CFO पद के लिए आवेदन मंगाया था

एलआईसी ने हाल में ष्टस्नह्र पद के लिए आवेदन मंगाया था। आवेदन देने की अंतिम तारीख 12 अक्टूबर थी। CFO को सालाना 75 लाख से एक करोड़ रुपए के बीच सैलरी दी जाएगी। यानी चेयरमैन एम.आर. कुमार की तुलना में यह दो गुना ज्यादा है। एलआईसी में चेयरमैन की सैलरी इस समय 35 लाख रुपए सालाना है एलआईसी IPO से पहले ष्टस्नह्र को नियुक्त करने की प्रक्रिया में है। पिछले दिनों एक विज्ञापन जारी किया। इसमें उसने कहा कि CFO पद के लिए 12 अक्टूबर तक आवेदन मंगाया गया था। CFO की नियुक्ति तीन साल या उनकी 63 साल की उम्र तक के लिए होगी। दरअसल अभी तक एलआईसी में चेयरमैन कंपनी के अंदर का ही व्यक्ति होता है। जबकि CFO को बाहर से लाया जा रहा है।

त्योहारी सीजन में ज्वेलर्स को अच्छी बिक्री की उम्मीद, लेकिन बजट देखकर खरीदारी कर रहे ग्राहक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
नवरात्रि के साथ त्योहारी सीजन की शुरुआत हो गई है। यहां से लेकर दीवाली तक सोने की खरीदारी को शुभ माना जाता है। खासकर नवरात्रि के पहले दिन और फिर दीवाली के समय ज्यादातर लोग सोने और चांदी की खरीदी करते हैं। मुंबई के जवेरी बाजार सहित बांद्रा, अंधेरी और घाटकोपर में ज्वेलरी व्यापारियों को इस बार अच्छे व्यापार की उम्मीद कम ही लग रही है। जवेरी बाजार में ज्वेलर्स के यहां नवरात्रि के पहले दिन अच्छी खासी भीड़ दिखने को मिली। हालांकि ज्वेलरी में कोई नया ट्रेंड तो नहीं आया, पर ज्वेलर्स का मानना है कि अभी इस बार ज्यादातर ग्राहक बहुत सावधानी से और जरूरी सामान पर ही फोकस कर रहे हैं।

ज्यादातर ग्राहक जरूरी ज्वेलरी खरीद रहे | ग्राहक आ रहे, पर खरीदी औसत हो रही | दुकानें बंद करने को लेकर ज्वेलर्स में नाराजगी

अब लोग सोने में निवेश करना चाहते हैं

जवेरी बाजार में कारोबार करने वाले कुमार जैन कहते हैं कि कोरोना के बाद लोगों का उत्साह तो दिख रहा है। कोविड-19 के कारण शादियों में होने वाले खर्चे बचे हैं, तो लोग अब सोने में निवेश करना चाहते हैं। अभी तक जो ग्राहकों की भीड़ दिख रही है, उससे लग रहा है कि इस साल अच्छा कारोबार होने की उम्मीद है।

ग्राहक आ रहे, पर खरीदी औसत हो रही

बोरिवली में ज्वेलरी की सबसे बड़ी दुकानों में से एक पी.एन. गाडगिल ज्वेलर्स के मुताबिक, ग्राहक तो आ रहे हैं, पर औसत खरीदी हो रही है। ग्राहकों की संख्या में कमी नहीं है। हो सकता है कि आने वाले दिनों में ज्यादा खरीदारी हो। अंधेरी में ज्वेलरी की दुकान में शॉपिंग करने आई तेजस्विनी पुरे बताती हैं कि फिलहाल उनका फोकस बस जरूरी सामानों पर है।

त्योहार का उत्साह लेकिन कॉरपोरेट प्रायोजन की खल रही कमी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
मौज-मस्ती करने वाले लोग अब फिर से सड़क पर वापस आ गए हैं और यातायात बढ़ गया है। पब में लोगों की तादाद तो बढ़ ही रही है, साथ ही पंडालों में भी कतारें लंबी होती जा रही हैं। बेशक यह पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा से जुड़े कारोबार का मिला-जुला रूप है। कोलकाता की अधिकांश पूजा समितियों के अनुसार पिछले साल की तुलना में इस बार का सीजन बेहतर है लेकिन यह अभी भी महामारी के पहले 2019 के स्तर से दूर है। त्योहारों के दौरान कारोबार का बड़ा हिस्सा खुदरा, खाद्य एवं पेय पदार्थ के कारोबार से ही जुड़ा होता है और इसमें कुछ सुधार दिख रहा है। पर्यटन विभाग, पश्चिम बंगाल की ओर से ब्रिटिश काउंसिल द्वारा कराए गए एक शोध में दुर्गा पूजा से जुड़े रचनात्मक उद्योगों के कुल आर्थिक मूल्य का अनुमान लगाया जिसमें खुदरा, खाद्य और पेय पदार्थों से लेकर प्रायोजन और मूर्ति निर्माण भी शामिल है जिसकी अनुमानित राशि 32,377 करोड़ रुपये सालाना (दुर्गा पूजा 2019 के अनुमान वाले आंकड़े) है। इसमें खुदरा का सबसे बड़ा हिस्सा 27,364 करोड़ रुपये था। कॉरपोरेट प्रायोजन और आउटडोर विज्ञापन ही शहर में अधिकांश पूजा के लिए दो प्रमुख स्तंभ हैं क्योंकि अब घर-घर चंदा जुटाने पर कम ही भरोसा किया जाता है।

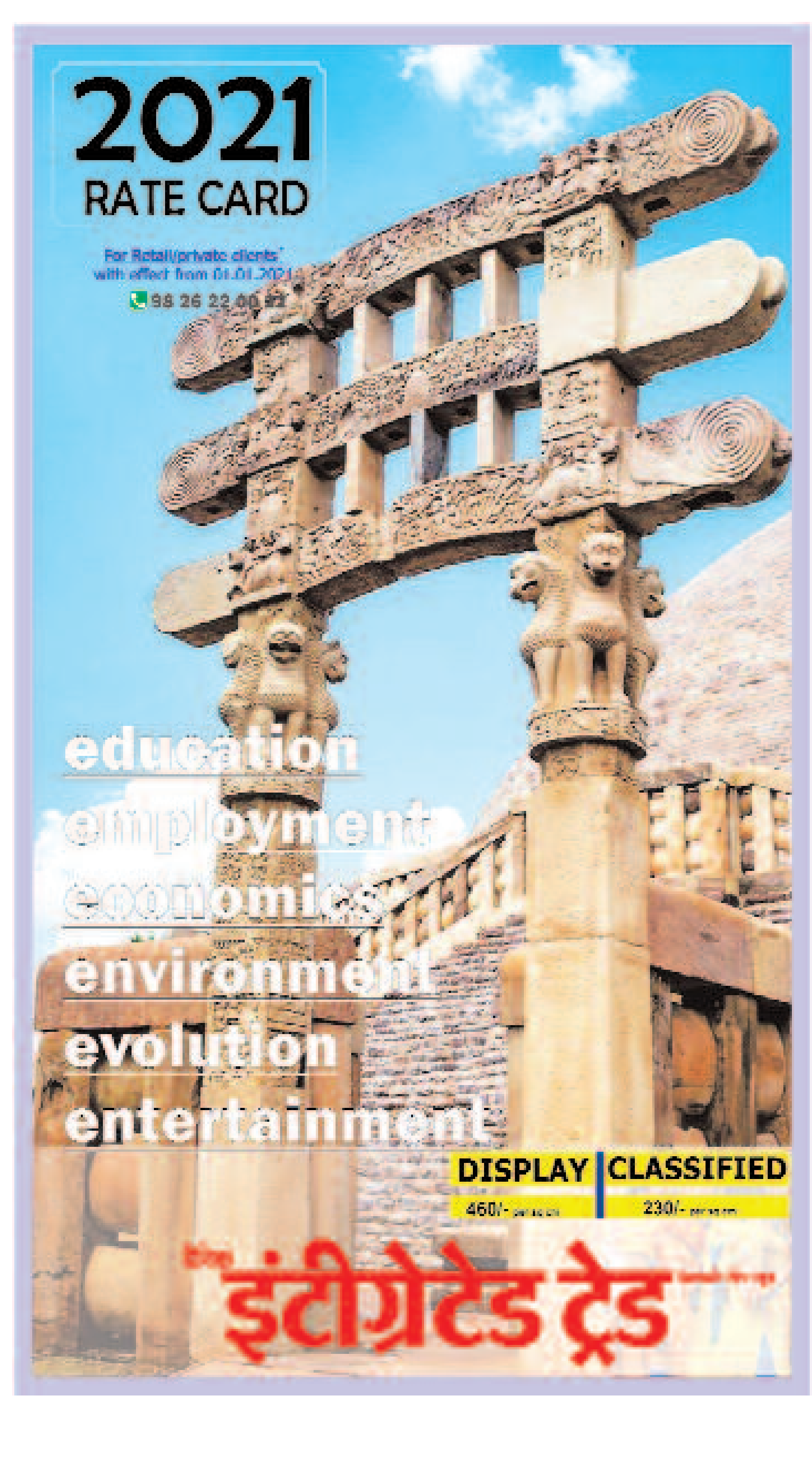

पेटीएम मिनी ऐप्स पर भी मिलेगी डिजिलॉकर की सुविधा, कमजोर कनेक्टिविटी वाली जगहों पर भी दिखेंगे डॉक्यूमेंट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
अगर आप ई-वॉलेट पेटीएम का इस्तेमाल करते हैं, तो यह खबर आपके लिए है। अब आप डिजिलॉकर में मौजूद डॉक्यूमेंट्स को %पेटीएम मिनी ऐप्स% पर ऑफलाइन मोड में रख सकते हैं। ऐप के जरिए डिजिलॉकर का ऐक्सेस उन जगहों पर भी किया जा सकेगा जहां कनेक्टिविटी कमजोर होगी।

डिजिलॉकर क्लाउड पर मौजूद एक प्लेटफॉर्म है, जिसे मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने शुरू किया है। यहां आप अपने आधार, ड्राइविंग लाइसेंस, गाड़ी का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, इंश्योरेंस, कोविड-19 वैक्सीन सर्टिफिकेट वगैरह को डिजिटल फॉर्मेट में स्टोर कर सकते हैं। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट, 2000 के मुताबिक डिजिलॉकर में स्टोर किए गए डॉक्यूमेंट्स को कानूनी तौर पर ओरिजिनल डॉक्यूमेंट के बराबर माना जाता है। पेटीएम का कहना है कि वह डिजिलॉकर में मौजूद किसी भी डॉक्यूमेंट को स्टोर नहीं करती है और न ही उससे जुड़ी कोई जानकारी बैकएंड पर भेजती है। डिजिलॉकर के डेटा यूजर्स के मोबाइल पर ही मौजूद रहेंगे, इसलिए उन्हें ऑफलाइन मोड में भी एक्सेस किया जा सकेगा।

नोबेल पुरस्कार की दौड़ में पिछड़ता भारत

- राकेश अचल

एक तरह से ये पुरस्कार भी राजनीति का शिकार हैं। चीन ने तो अपने विरोध भी दर्ज कराये व धमकियां भी दीं, लेकिन भारत ने ऐसा कुछ नहीं किया क्योंकि भारत तो भारत है चीन नहीं। पाकिस्तान का तो इस नोबेल सूची में नाम ही नजर नहीं आता। ब्राजील और बुल्गारिया का कम से कम खाता तो खुला है- एक-एक नोबेल पुरस्कार के जरिये। भारत को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या सचमुच नोबेल के लिए निर्धारित क्षेत्रों में और बेहतर काम हो सकता है।

स्वीडन के वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की याद में वर्ष 1901 में शुरू किये गये नोबेल पुरस्कारों की दौड़ में भारत लगातार पिछड़ रहा है। भारत के हिस्से में अक्सर ये पुरस्कार क्यों नहीं आते? भौतिकी, रसायनशास्त्र, चिकित्सा, साहित्य और शांति के क्षेत्र में हर साल दिए जाने वाले इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए छोटे-छोटे देशों के नाम तो आ जाते हैं लेकिन भारत जैसे 130 करोड़ की आबादी वाले भारत के हिस्से में ये नोबेल पुरस्कार कम ही आते हैं या आते ही नहीं हैं। नोबेल पुरस्कार के रूप में प्रशस्ति-पत्र के साथ 14 लाख डालर की राशि प्रदान की जाती है। विश्व के सैकड़ों वैज्ञानिक, साहित्यकार और समाजसेवी इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को अब तक हासिल कर चुके हैं, लेकिन बीते 120 वर्षों में भारत के हिस्से में नोबेल पुरस्कार केवल 4 ही आये हैं। भारत में जन्मे 4 और लोगों ने भी ये पुरस्कार हासिल किये और भारत ने इसी बात पर खुशियां मनाईं। भारत में जन्मे 2 विदेशियों और भारत में शरणार्थी बनकर आये एक तिब्बती को भी नोबेल के नाम पर यह पुरस्कार हासिल हुआ । भारत को नोबेल हासिल करने के लिए वर्षों इन्तजार करना पड़ता है। भारत को अंतिम नोबेल पुरस्कार 2014 में शांति के लिए कैलाश सत्यार्थी लेकर आये थे। उन्हें यह पुरस्कार ईश्वर की कृपा से मिला या उनके अपने नसीब की वजह से, यह कहना कठिन है क्योंकि उन्हें ये पुरस्कार मिलने से पहले भारत के ही अधिकांश लोग उन्हें ढंग से जानते भी नहीं थे। सत्यार्थी बच्चों और युवाओं के दमन के विरुद्ध तथा सभी बच्चों के शिक्षा के अधिकार के लिए सतत संघर्ष करते आये हैं। भारत के लिए पहला नोबेल गुरु रवीन्द्रनाथ टैगौर ने साहित्य के लिए 1913 में हासिल किया था। इसके बाद 1930 में सीवी रमन भौतिक शास्त्र के लिए और 1998 में अमर्त्य सेन अर्थशास्त्र के लिए हासिल कर लाये थे। मदर टेरेसा को भी नोबेल मिला। प्रश्न यह है कि भारत के हिस्से में ये नोबेल पुरस्कार कम क्यों आते हैं? क्या भारत में भौतिकी, रसायन और चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम नहीं होता या फिर भारत के नायक साहित्य और शांति के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम नहीं करते? इन सवालों के जवाब सरकारों से नहीं पूछे जा सकते क्योंकि ये सभी काम वैयक्तिक श्रेणी के हैं। सरकारें वैज्ञानिकों को साधन, सुविधाएं और वातावरण उपलब्ध करा सकतीं हैं, खुद शोध नहीं कर सकतीं। भारतवंशी हरगोविंद खुराना (1968), सुब्रह्मनियम चंद्रशेखर (1983), वैंकट रमन कृष्ण (2009) और अभिजीत बनर्जी (2019) जब नोबेल पुरस्कार के लिए चुने गए तो हमने खुशियां मनाईं। भारत में शरणार्थी बनकर रहने वाले तिब्बतियों के प्रमुख धर्मगुरु दलाई लामा को जब 1989 में शांति के लिए नोबेल पुरस्कार मिला तब भी हमने उसे अपनी ही उपलब्धि मानी। भारत में जन्मे रोनाल्ड रास (1902) और रुडयार्ड किपलिंग (1907) ने नोबेल जीते लेकिन वे दोनों थे अंग्रेज सो उनकी उपलब्धि हमारी नहीं मानी गई। खुराना, शेखर, कृष्णा और बनर्जी यदि हिंदुस्तान से बाहर न जाते तो मुमकिन है कि उन्हें नोबेल पुरस्कार हासिल न होते। हर साल जब नोबेल पुरस्कारों की घोषणा होती है तो भारत के हिस्से में नोबेल पुरस्कार नहीं बल्कि निराशा आती है। क्यों आती है इसका जवाब किसी के पास नहीं है। इस साल भी भारत निराश ही है। या तो भारतीय इस स्तर का कोई काम नहीं करते जो नोबेल के लायक समझा जाये या फिर भारत के साथ पक्षपात किया जाता है। मेरे ख्याल से दोनों ही बातें सही हो सकतीं हैं और दोनों ही निराधार भी। सम्भावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। भारत केवल नोबेल पुरस्कार हासिल करने के मामले में ही यदि पीछे होता तो हम मान भी लेते लेकिन ओलम्पिक में भी भारत तमाम छोटे देशों के मामले में पीछे हैं। पुरस्कार निजी उपलब्धियों से जुड़े होते हैं। हम भौतिकी, रसायन, चिकित्सा और साहित्य तथा शांति के लिए कितना काम करते हैं, ये नोबेल पुरस्कारों की फेहरिस्त बताती है। हम खेलों के क्षेत्र में कितना काम करते हैं ये ओलम्पिक खेलों की पदक तालिका से आप जान सकते हैं।

संपादकीय

चढ़ते शेयर से बढ़ती आशंकाएं

भारतीय शेयर बाजार की हैसियत लगातार बढ़ रही है। बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैपिटलाइजेशन) के मामले में यह अब ब्रिटेन से बहुत पीछे नहीं है। इस साल भारतीय शेयर बाजार के मार्केट कैप में 37 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और यह बढ़कर 3.46 लाख करोड़ डॉलर हो गया है। इसके बरक्स, ब्रिटिश शेयर बाजार के मार्केट कैप में नौ फीसदी की वृद्धि देखी गई है और उसकी पूंजीगत हैसियत 3.59 लाख करोड़ डॉलर है। हालांकि, महामारी के बाद भारतीय शेयर बाजार में भी गिरावट आई थी, लेकिन जल्द ही इसने रफ्तार पकड़ ली और पिछले महीने इसने पहली बार फ्रांस को पीछे छोड़ते हुए बाजार पूंजीकरण के मामले में छठा स्थान हासिल कर लिया। भारतीय शेयर बाजार की यह तेजी आम निवेशकों को आकर्षक लग सकती है। बावजूद इसके, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर पिछले एक साल में कई बार कह चुके हैं कि वास्तविक अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र में कोई तालमेल नहीं दिख रहा है। आखिर क्यों?

इस सवाल का जवाब शेयर बाजार की मूल अवधारणा में छिपा है। किसी भी देश का शेयर बाजार इस तथ्य पर निर्भर करता है कि उस देश की अर्थव्यवस्था से कितनी उम्मीद पाली जाए? आने वाले दिनों के भरोसेमंद दिखने पर ही शेयर बाजार की सूचीबद्ध कंपनियों में निवेश किया जाता है। अपने यहां ऐसी सूचीबद्ध कंपनियों की संख्या लगभग 6,000 है। हालांकि, इनमें से भी मूलतः 2,000 के करीब कंपनियों पर ज्यादातर निवेशक विश्वास करते हैं। अनुमान है कि इन छह हजार कंपनियों पर बमुश्किल 10-20 लाख लोग मालिकाना हक रखते होंगे। इसका अर्थ है कि 1.35 अरब की आबादी वाले इस देश में शेयर बाजार पर लगभग 0.1 फीसदी लोगों का ही नियंत्रण है। तो, शेयर बाजार में होने वाली तेजी मूलतः इनके लिए ही फायदेमंद है। बाकी, तीन-चार करोड़ आम निवेशकों को बहुत फायदा नहीं मिलता, क्योंकि वे सभी छोटे निवेशक हैं।

भारत के साथ दिक्कत यह है कि यहां की अर्थव्यवस्था में असंगठित क्षेत्र का योगदान काफी ज्यादा है, लेकिन महिमामंडन संगठित क्षेत्र का किया जाता है। शेयर बाजार में न तो असंगठित क्षेत्र की कोई हिस्सेदारी है और न ही लघु व मध्यम उद्योगों की। यानी, भारतीय अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा शेयर बाजार से दूर है। जबकि, पिछले पांच साल में सबसे ज्यादा नुकसान इन्हीं क्षेत्रों को हुआ है। वास्तव में, शेयर बाजार में आ रही इस तेजी की एक वजह असगंठित क्षेत्र को हो रहा नुकसान भी है। विशेषकर नोटबंदी के बाद से असंगठित क्षेत्र के हिस्से की मांग संगठित क्षेत्र के खाते में चली गई है। रही-सही कसर जीएसटी और महामारी ने पूरी कर दी। असंगठित क्षेत्र को बेशक जीएसटी से बाहर रखा गया है, लेकिन संगठित क्षेत्र का इनपुट क्रेडिट इसको नुकसान पहुंचा रहा है। इसी तरह, कोरोना के बाद स्थानीय दुकानदार के बजाय लोग ऑनलाइन खरीदारी पर ज्यादा भरोसा करने लगे हैं। नतीजतन, कंपनियों का लाभ बढ़ गया है और निवेशक यह उम्मीद करने लगे हैं कि आने वाले दिनों में ये कंपनियां कहीं अच्छा रिटर्न देंगी। इसीलिए, उन्होंने निवेश बढ़ा दिया है।

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशक भी खूब आ रहे हैं। दुनिया के कई देशों में महामारी के दरम्यान राहत पैकेज जारी किए गए, जिससे बाजार में नकदी (तरलता) बढ़ी है। पहले के दिनों में बैंक या बचत योजनाओं जैसी निवेश के अन्य साधन थे, जिनमें अच्छा-खासा रिटर्न मिलता था। मगर कोरोना ने निवेशकों को यहां से निराश किया है। कई देशों में तो ब्याज निगेटिव हो गया है, जिसका अर्थ है कि वहां पैसों का निवेश करने पर निवेशक को ही ब्याज दर चुकानी पड़ रही है। भारत इस मामले में अभी अच्छी स्थिति में है। चूंकि यहां की टेक्नोलॉजी, ई-कॉमर्स, ई-बैंकिंग जैसी कंपनियों में स्थानीय निवेशकों का भी भरोसा है, इसलिए विदेशी निवेशक भी इनमें अपने लिए उम्मीद खोज रहे हैं। निवेश करने वालों में वे कंपनियां भी शामिल हैं, जो इसलिए भारतीय शेयर बाजार में निवेश कर रही हैं, ताकि वे स्थानीय कंपनियों पर अपना नियंत्रण बना सकें। यही कारण है कि डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने और तमाम जोखिम को देखने के बावजूद विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा कर रहे हैं। हालांकि, इस आपाधापी में उन कंपनियों को भी फायदा हो रहा है, जो तुलनात्मक रूप से कमजोर हैं। इन सब कारकों ने यहां मूल्य-आय अनुपात (कंपनी के शेयर की कीमत और शेयर से मिले लाभ का अनुपात) काफी ज्यादा बढ़ा दिया है। लाभांश और पूंजीगत लाभ (निवेश का बिक्री मूल्य उसकी खरीद से ज्यादा हो) मिलाकर निवेशक को काफी अच्छा फायदा मिल रहा है। लेकिन यदि यह दस फीसदी के करीब गिर गया, तो बैंक की ब्याज दर से कम रिटर्न मिल सकता है। लिहाजा, बाजार पूंजीकरण जब तक बढ़ता रहेगा, निवेशकों की चांदी बनी रहेगी, पर जैसे ही यह स्थिर हो जाएगा या बढ़ना बंद होगा, निवेशकों के हाथ खींचने से शेयर बाजार धड़ाम से गिर सकता है। इसका नुकसान बड़े निवेशकों को तो शायद ही होगा।

तिकुनिया से भाजपा के लिए चुनौती

भाजपा के लिए लखीमपुर मामला सत्ता के लिहाज से जरूरी है, लेकिन देश के किसानों के लिए यह उनके जीवन और मरण का सवाल है। पिछले साढ़े दस महीनों से किसान दिल्ली की सीमाओं पर कृषि कानूनों के विरोध में डटे हुए हैं। देश में अलग-अलग जगहों पर महापंचायतें भी की गई हैं। इतने महीनों के आंदोलन में बहुत से किसानों ने अपनी जान गंवाई है। लेकिन लखीमपुर खीरी में जिस तरह किसानों को गाड़ी से कुचला गया, वैसी नृशंसता अब तक देखने नहीं मिली थी। जो लोग ये सोच रहे होंगे कि इस तरह के दमन से किसान डर जाएंगे और आंदोलनकारी किसानों को सबक मिल जाएगा, वे गलत साबित हो रहे हैं। क्योंकि किसान अब और अधिक नाराजगी के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं। मंगलवार को किसानों के हत्या स्थल तिकुनिया में जान गंवाने वाले चार किसानों और पत्रकार रमन कश्यप को श्रद्धांजलि देने के लिए किसान संगठनों ने अंतिन अरदास कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत समेत कई किसान नेता मौजूद रहे।

लखीमपुर खीरी की घटना ने भाजपा के लिए उत्तरप्रदेश में सांप-छुछूंदर वाली स्थिति बना दी है। एक ओर योगी सरकार पर दोषियों को पकड़वाने और सख्त सजा दिलवाने का दबाव है, दूसरी ओर मोदी सरकार से ये मांग की जा रही है कि मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा के पिता गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी को मंत्रिपरिषद से बर्खास्त किया जाए। आशीष मिश्रा फिलहाल तीन दिनों की पुलिस कस्टडी में है, जहां उससे कई ऐसे सवाल पूछे जाएंगे, जिनके जवाब देना आशीष के लिए कठिन हो जाए। लेकिन अजय मिश्र को अब तक प्रधानमंत्री मोदी मंत्रिपरिषद से हटा नहीं पाए हैं। उनके सामने उत्तरप्रदेश के चुनाव में ब्राह्मण वोट बैंक का सवाल है। इस बीच भाजपा के उत्तरप्रदेश के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह का यह बयान कि हम नेतागिरी में किसी को फ़ॉर्च्यूनर से कुचलने नहीं आए हैं, बतलाता है कि भाजपा के गले में लखीमपुर खीरी फांस बनकर चुभ रहा है।

स्वतंत्र देव सिंह ने शायद जानबूझकर गाड़ी का नाम गलत लिया, लेकिन उनका इशारा किस ओर था, ये सब समझ रहे हैं। खबर ये भी है कि सोमवार को उत्तर प्रदेश भाजपा के बड़े नेताओं की पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ बैठक हुई है। जिस में उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, प्रदेश भाजपा के प्रभारी राधा मोहन सिंह और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी शामिल रहे। इस उच्चस्तरीय बैठक से यह संकेत मिल रहे हैं कि अजय मिश्र टेनी पर पार्टी कोई फैसला ले सकती है। दरअसल भाजपा ये समझ रही है कि इस मामले में कोई फ़ैसला करना ही होगा। वरना यह उत्तर प्रदेश के चुनाव में उसका बोरिया-बिस्तर समेटने का इंतजाम कर सकता है।

भाजपा के लिए लखीमपुर मामला सत्ता के लिहाज से जरूरी है, लेकिन देश के किसानों के लिए यह उनके जीवन और मरण का सवाल है। पिछले साढ़े दस महीनों से किसान दिल्ली की सीमाओं पर कृषि कानूनों के विरोध में डटे हुए हैं। देश में अलग-अलग जगहों पर महापंचायतें भी की गई हैं। इतने महीनों के आंदोलन में बहुत से किसानों ने अपनी जान गंवाई है। लेकिन लखीमपुर खीरी में जिस तरह किसानों को गाड़ी से कुचला गया, वैसी नृशंसता अब तक देखने नहीं मिली थी। जो लोग ये सोच रहे होंगे कि इस तरह के दमन से किसान डर जाएंगे और आंदोलनकारी किसानों को सबक मिल जाएगा, वे गलत साबित हो रहे हैं। क्योंकि किसान अब और अधिक नाराजगी के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं। मंगलवार को किसानों के हत्या स्थल तिकुनिया में जान गंवाने वाले चार किसानों और पत्रकार रमन कश्यप को श्रद्धांजलि देने के लिए किसान संगठनों ने अंतिन अरदास कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत समेत कई किसान नेता मौजूद रहे।

राकेश टिकैत के कारण ही उप्र सरकार और किसानों के बीच मुआवजे और न्यायिक जांच पर समझौता हुआ था। जिसे लेकर राकेश टिकैत पर सवाल भी उठ रहे थे। लेकिन उनकी नाराजगी जाहिर कर रही थी कि वे अभी सरकार के आगे झुके नहीं हैं। राकेश टिकैत ने आशीष मिश्र की गिरफ्तारी पर तंज किया कि फिलहाल रेड कार्पेट गिरफ्तारी हुई है। गुलदस्तों वाला रिमांड है। किसी पुलिस अधिकारी की हिम्मत नहीं कि पूछताछ करे। उन्होंने ऐलान किया कि जब तक अजय मिश्र को मंत्री पद से हटा कर गिरफ्तार नहीं किया जाता, हमारा आंदोलन जारी रहेगा. बाप-बेटे से पूछताछ होगी, तभी लखीमपुर की साजिश का खुलासा होगा। किसानों का कहना है कि देश के हर ज़िले में अस्थि कलश जाएंगे, लोग श्रद्धांजलि देंगे और 24 अक्टूबर को लोग उन्हें प्रवाहित करेंगे, 26 तारीख को लोग लखनऊ आएंगे, जहां पंचायत होगी। किसानों का ये ऐलान बताता है कि भाजपा को इस मामले में हर कदम सोच समझकर चलना होगा। जनता की नाराजगी मोल लेने का जोखिम इस वक्त नहीं उठाया जा सकता। अंतिम अरदास कार्यक्रम में कांग्रेस से प्रियंका गांधी वाड्रा, राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, यूपी कांग्रेस के प्रमुख अजय कुमार लल्लू पहुंचे, वहीं अकाली दल से मनजिंदर सिंह सिरसा भी पहुंचे। संयुक्त किसान मोर्चा ने नेताओं का आभार जताया लेकिन मंच पर नहीं आने दिया। ये बात तो पहले से तय थी कि किसान अपने मंच का राजनैतिक इस्तेमाल नहीं होने देंगे। फिर भी प्रियंका गांधी के वहां पहुंचने से जो राजनैतिक संदेश निकल रहा है, वो भाजपा के साथ-साथ सपा-बसपा सबको मुश्किल में डाल सकता है। प्रियंका गांधी ने लखीमपुर मामले में जिस तरह पीड़ितों के साथ खड़े होने का जज्बा दिखाया, वो बाकी दल नहीं दिखा पाए। भाजपा तो प्रियंका गांधी के तेवर से खासी परेशान दिख रही है। संबित पात्रा ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि गांधी परिवार, प्रियंका जी और राहुल गांधी अपने आप को %चैंपियन्स ऑफ़ दलित राइट्स% के रूप में दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। इस तरह की खीझ भरी टिप्पणियों से भाजपा की हताशा साफ दिख रही है। लेकिन प्रियंका गांधी जानती हैं कि उन्हें कब, क्या करना है। वाराणसी में भाजपा को ललकारने और लखनऊ में किसानों के हक में मौन व्रत धारण करने के बाद आज जब प्रियंका गांधी तिकुनिया पहुंची तो उन्होंने गुरु ग्रंथ साहब के सामने मत्था टेका और मंच के नीचे बैठी रहीं। उन्होंने कोई भी बयान नहीं दिया और मृतकों के परिवार वालों को सम्मान देकर चली गईं।

तालिबान के सामने भारत, चीन और ईरान का गठबंधन बनाइए

- भरत झुनझुनवाला

भारत को इस परिस्थिति में अपना रास्ता बनाना है। तालिबान और पाकिस्तान दोनों ही कश्मीर के मुद्दे पर हमारे विरुद्ध खड़े हुए हैं। इसलिए तालिबान के साथ हम सामान्य सम्बन्ध नहीं बना पाएंगे। इस स्थिति में भारत के सामने दो उपाय हैं। एक उपाय है कि अमेरिका के साथ गठबंधन बना कर तालिबान, पाकिस्तान, ईरान और चीन के सम्मिलित गठबंधन का हम सामना करे। दूसरा उपाय है कि हम अमेरिका को छोड़कर ईरान और चीन के साथ गठबंधन बनाकर तालिबान और पाकिस्तान को घेरने का प्रयास करें। अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पिछले 20 वर्षों में पूरी तरह अमेरिकी धन पर आश्रित हो गई है। तालीबान के पहले अफगानिस्तान सरकार के बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा विदेशी अनुदान से प्राप्त हो रहा था। तालिबान की विजय के बाद यह रकम मिलना ही बंद नहीं हो गई है बल्कि अफगानिस्तान की पूर्व सरकार द्वारा अमेरिका के बैंकों में रखी गई रकम को भी फ्रीज कर दिया गया है। अफगानिस्तान की सरकार को पूर्व में जो आय होती थी उसकी तुलना में केवल 25 प्रतिशत रकम अब उपलब्ध होगी जोकि उस देश को निश्चित रूप से आर्थिक संकट में डालेगी।

यह थी सरकार की बात। देश के मूल अर्थव्यवस्था का भी ऐसा ही हाल है। अफगानिस्तान की आय का दूसरा स्रोत अफीम है। विश्व का 80 प्रतिशत अफीम का उत्पादन अफगानिस्तान में होता है लेकिन इस मद से अफगानिस्तान को कम ही आय हो रही थी। एक अनुमान के अनुसार पूर्व में तालिबान को अफीम के व्यापार से कम और कानूनी व्यापार पर वसूले गए गैर कानूनी टैक्स से अधिक आय होती थी। जैसे किसी व्यापारी ने कालीन का निर्यात किया। उसे कालीन को बंदरगाह तक पहुंचाना है। बंदरगाह तक माल को सुरक्षित पहुंचने देने के लिए तालिबान द्वारा वसूली की जाती थी। इस प्रकार की वसूली से तालिबान को आय ज्यादा होती थी। यद्यपि विश्व स्तर पर तालिबान का अफीम की सप्लाई में हिस्सा अधिक है लेकिन इससे तालिबान को भारी रकम मिलने की संभावना कम ही है।अफग़ानिस्तान की आय का दूसरा स्रोत विदेशी व्यापार था। इस दिशा में भी तालिबान की रुचि कम ही दिखती है। जैसे भारत से व्यापार को प्रतिबंधित कर दिया गया है। भारत को अफगानिस्तान द्वारा फल, ड्राई फ्रूट और मसाले सप्लाई किए जाते थे जिनके व्यापार से प्रतिबंधित होने से भी अफगानिस्तान के इन माल के उत्पादकों को अपना माल बेचने की समस्या पैदा हो गई है। अफगानिस्तान का तीसरा आर्थिक स्रोत खनिज है लेकिन इस संपत्ति का वाणिज्यिक दोहन कम ही हो पा रहा है। उदाहरणतः चीन ने 2007 में एक तांबे की खान का अनुबंध किया था जो कि अभी तक चालू नहीं हो सकी है। इसके पीछे कुछ कारण राजनीतिक भी है। लेकिन यदि खनिजों की गुणवत्ता उत्तम होती तो उनके दोहन का रास्ता निकाल ही लिया जाता। दूसरे खनिजों के दोहन का भी यही हाल है। संभवतः इसलिए पिछले 50 वर्षों में अफगानिस्तान में खनिजों के दोहन में विशेष प्रगति नहीं हो सकी है। इस प्रकार अफगानिस्तान आर्थिक दृष्टि से हर तरफ से घिरा हुआ है। विदेशी मदद में भारी कटौती हुई है, अफीम का व्यापार सीमित है, विदेश व्यापार को स्वयं तालिबान ने प्रतिबंधित किया है और खनिजों का वाणिज्यिक दोहन कठिन दिखता है।

लेकिन इस आर्थिक संकट से तालिबान और अफगानिस्तान के लोग टूटेंगे इस पर संदेह है। हम देख चुके हैं कि सीरिया, ईरान, उत्तर कोरिया और वेनेजुएला जैसे देशों में भारी आर्थिक संकट के बावजूद लोगों ने अपनी सरकारों का समर्थन किया है। तालिबान मूलतः धार्मिक प्रवृत्ति के लोग हैं। अमेरिका की इंस्टीट्यूट ऑफ पीस% के एक अध्ययन के अनुसार तालिबान के चार प्रमुख मुद्दे राष्ट्रीय संप्रभुता, सैन्य ताकत, जिहाद की पवित्रता और इस्लामिक अमीरात की मान्यता है। इनमें अंतिम दो यानी जिहाद की पवित्रता और इस्लामिक अमीरात की मान्यता धर्म से जुड़े हुए हैं। इसी प्रकार अमेरिका की फॉरेन पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा प्रकाशित एक पर्चे के अनुसार तालिबान कोई मुट्ठी भर आतंकवादी नहीं है। तालिबान का समर्थन अफगानिस्तान का आम आदमी करता है। उनका उद्देश्य है कि अपने धर्म और अपनी संस्कृति की रक्षा करें। इसी क्रम में इंडोनेशिया की यूनिवर्सिटी ऑफ एयरलंगा द्वारा प्रकाशित एक पर्चे में कहा गया है कि तालिबान का उद्देश्य भ्रष्ट और अधार्मिक सरकार को बदलना और धार्मिक इस्लामिक सरकार की स्थापना करना है। इन वक्तव्य से स्पष्ट होता है कि तालिबान का उद्देश्य धर्म से प्रेरित है इसलिए आर्थिक संकट से वे टूटेंगे ऐसा नहीं दिखता है। भारत को इस परिस्थिति में अपना रास्ता बनाना है। तालिबान और पाकिस्तान दोनों ही कश्मीर के मुद्दे पर हमारे विरुद्ध खड़े हुए हैं। इसलिए तालिबान के साथ हम सामान्य सम्बन्ध नहीं बना पाएंगे। इस स्थिति में भारत के सामने दो उपाय हैं। एक उपाय है कि अमेरिका के साथ गठबंधन बना कर तालिबान, पाकिस्तान, ईरान और चीन के सम्मिलित गठबंधन का हम सामना करे। दूसरा उपाय है कि हम अमेरिका को छोड़कर ईरान और चीन के साथ गठबंधन बनाकर तालिबान और पाकिस्तान को घेरने का प्रयास करें। इस मुद्दे पर निर्णय पर पहुंचने के लिए हमको ईरान और चीन का तालिबान के प्रति रुख को समझना होगा। ईरान शिया बाहुल्य देश है। अफगानिस्तान में भी 20 प्रतिशत मुसलमान शिया हैं। इन पर पूर्व में अक्सर अफगानी सुन्नियों द्वारा अत्याचार किए जाते रहे हैं।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर
फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से
जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर
हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर
चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के
आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी
लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें
देकर अपने जाने का ग़म दे
चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी
बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी
आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने
हमारे लिए हर चीज गवाह बन
जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी
की सबसे मीठी याद देकर चले
गए।
सच तो ये है कि आप हम
ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल
कठोर होता है वो कभी नहीं
रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में
पलकें भिगोते मैंने आपको
देखा है।
पिता की परिभाषा बदल
कठोरता को प्रेम में बदल कर
चले गए।
सच तो ये है की आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा
बचपन में ये हर मां बाप कहते
हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके
लिए आज भी इसलिए तड़पते
हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम
सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया
है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का,
उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच
अनजाने ही ये उम्मीद दे चले
गए।
सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।

दयालु स्वभाव बनाए रखता है अच्छी सेहत

दयालु स्वभाव बनाए रखता है अच्छी सेहत

जॉन-टायलर बिनफेट और डॉ. सैली स्टीवर्ट ने हाल ही में एक अध्ययन प्रकाशित किया, जो यह पता लगाता है कि स्नातक पाठ्यक्रम में दयालुता विषय को शामिल करने से छात्र-छात्राओं और शिक्षक पर क्या प्रभाव पड़ता है। डॉ. बिनफेट ने बताया कि हालांकि, पहले ऐसे कई अध्ययन हुए हैं, जिन्होंने दयालुता के प्रभावों का आकलन किया है, लेकिन इस बात पर सीमित शोध किया गया है कि विश्वविद्यालय के विभिन्न आयु वर्ग के छात्र दयालुता को कैसे समझते हैं और कैसे लागू करते हैं।

दयालुता आपके लिए क्या कर सकती है? इससे शायद आपको खुशी मिलती है या आपमें भलाई करने की भावना आती है, यह एक तरह की हकीकत हो सकती है। हालांकि एक नए शोध में वैज्ञानिकों का कहना है कि दयालुता का एक छोटा सा कार्य छात्रों के बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने का काम करता है। ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में डॉ. जॉन-टायलर बिनफेट और डॉ. सैली स्टीवर्ट ने हाल ही में एक अध्ययन प्रकाशित किया, जो यह पता लगाता है कि स्नातक पाठ्यक्रम में दयालुता विषय को शामिल करने से छात्र-छात्राओं और शिक्षक पर क्या प्रभाव पड़ता है। डॉ. बिनफेट ने बताया कि हालांकि, पहले ऐसे कई अध्ययन हुए हैं, जिन्होंने दयालुता के प्रभावों का आकलन किया है, लेकिन इस बात पर सीमित शोध किया गया है कि विश्वविद्यालय के विभिन्न आयु वर्ग के छात्र दयालुता को कैसे समझते हैं और कैसे लागू करते हैं। डॉ. बिनफेट ने कहा कि हम जानते हैं कि दयालु होने से कई तरह के स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं, जैसे तनाव में कमी, खुशी और साथियों की स्वीकृति। माना जा रहा है कि इससे आपका जीवनकाल बढ़ सकता है। इतना ही नहीं यह हमारे दिमाग के सीखने पर भी प्रभाव डालता है। यह शोध उच्च शिक्षा के जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

इस तरह किया गया अध्ययन

अध्ययन के लिए, स्वयंसेवी छात्रों ने यह निर्धारित करने के लिए स्वयं-रिपोर्ट पेश की कि वे खुद को ऑनलाइन और आमने-सामने की बातचीत में किस हद तक देखते हैं, और वे अपने साथियों और परिसर से कैसे जुड़े हुए हैं। फिर छात्रों को एक सप्ताह के लिए पांच तरह के कार्यों की योजना बनाने और उन्हें पूरा करने के लिए कहा गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने दूसरों की मदद करने, प्रशंसा करने और संवाद करने के मुख्य विषयों के साथ 353 तरह के कार्य पूरे किए। दयालुता के पांच नियोजित कामों में से कम से कम तीन को पूरा करने वाले छात्रों ने व्यक्तिगत रूप से दयालुता के उच्च स्कोर हासिल किए।

उच्च शिक्षा में अविश्वसनीय प्रभाव

डॉ. स्टीवर्ट ने बताया कि यह शोध छात्रों को यह महसूस करने में मदद कर सकता है कि लोग कैसे और क्यों दयालु हैं और यह दयालुता स्वास्थ्य और भलाई को प्रभावित करती है, इसके पीछे सबूत हैं। उच्च शिक्षा में भी इसका अविश्वसनीय प्रभाव पड़ता है क्योंकि यह इस बात की अंतर्दृष्टि प्रदान करता है कि छात्र अपने अभ्यास और दयालुता की समझ के साथ शैक्षिक प्रथाओं और पाठ्यक्रम सामग्री क्षेत्रों में इस विषय को शामिल करने के लिए आधारभूत कार्य तैयार करने के लिए कहां हैं।

चिंता कम करें

ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, जो लोग इस तरह के कार्यों में संलग्न होते हैं वे उन कारकों में महत्वपूर्ण कमी का अनुभव करते हैं, जो चिंता का कारण बनते हैं। चार हफ्तों में, शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों का अध्ययन किया जो दयालुता के यादृच्छिक और मंचित कार्यों में लगे हुए थे। उन्होंने पाया कि जो प्रतिभागी सकारात्मक कार्यों में लगे थे, उन्हें वास्तव में सकारात्मक प्रभावों में काफी वृद्धि का अनुभव हुआ, जिसने उन्हें खुशी और आत्म-संतुष्टि की अधिक से अधिक भावनाओं को प्रेरित किया। जब हम अपने बारे में अच्छा महसूस करते हैं, तो अपनी चिंताओं को दूर करना आसान होता है और अपनी त्वचा में आसानी महसूस करते हैं।

यह हमें मुफ्त में मिलता है

कोलंबिया विश्वविद्यालय की डॉक्टर केली हार्डिंग ने अपनी नई किताब 'द रैबिट इफ़ेक्ट' में इस विषय पर काफी विस्तार से लिखा है। उन्होंने बताया कि दयालु होना प्रतिरक्षा प्रणाली, ब्लड प्रेशर में मदद करता है। यह लोगों को लंबे समय तक जीवित रहने और स्वस्थ्य बने रहने में मदद करता है। इसमें सबसे अच्छी बात यह है कि यह हमें मुफ्त में मिलता है। अपनी किताब का नाम बता ?ते हुए वह कहती हैं कि मैंने 1970 के दशक में खरगोशों पर इस तरह के अध्ययन के बारे में सुना था. उस अध्ययन में यह पता चला कि जिन खरगोशों को दयालु शोधकर्ताओं की देखभाल में रखा गया उनकी सेहत काफी बेहतर थी।

कोरोनाकाल में बढ़ा प्रभाव

कोरोना काल में हर कोई जहां बीमारी के डर, खौफ के बीच जी रहा है। बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं के बीच कोरोना का भय, अन्य बीमारियों व आर्थिक संकट के मामलों को देखते हुए उनकी काउंसिलिंग शुरू कर की गई। डॉ. बिनफेट ने गौर किया कि सितंबर में कनाडाभर में विश्वविद्यालय के हजारों छात्र लौट आए और उनके दयालुता संबंधी कार्यों में काफी वृद्धि देखी गई।

प्रोटीन की कमी को दूर करके आपको हेल्दी रखेगा मल्टीग्रेन एग बिस्किट

केंद्रीय पक्षी अनुसंधान संस्थान (सीएआरआइ) ने प्रोटीन और विटामिन से युक्त बिस्किट तैयार किया है। अंडा और मिले-जुले अनाज के संतुलित मिश्रण से बने इस बिस्किट का पेटेंट कराने की तैयारी हो रही जिसके बाद बाजार में बिक्री शुरू हो सकेगी। संस्थान के निदेशक डा. अशोक कुमार तिवारी ने शनिवार को बताया कि वैज्ञानिको ने मल्टी ग्रेन एग बिस्किट तैयार किया है जो मौजूदा जीवन शैली के बावजूद सेहत को बरकार रखने में फ़ायदेमंद साबित होगा। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डा. अजीत सिंह यादव ने इसे तैयार किया है। उन्होंने बताया कि अंडा व मिले जुले अनाज (मल्टी ग्रेन) से बना होने के कारण इसका नाम मल्टी ग्रेन एग बिस्किट रखा है। दौड़ भाग भरी जिंदगी में लोगों को बिस्किट के जरिए भी पौष्टिकता मिल जाए,इस लिए,मल्टी ग्रेन एग बिस्किट तैयार किया गया है। इसमें 40 फीसदी, अंडा जो की भरपूर प्रोटींन देगा। बाकी हिस्से में मक्का, जई और गेहूं है। इनसे मिनिरल ,विटामिन ,फैट, मिलती है। करीब दो महीने में विभिन्न अवयवों का सेहतमंद और स्वादिस्ट मिश्रण तैयार किया गया है। डॉ. यादव ने बताया कि इस बिस्किट की सौ ग्राम मात्रा तैयार करने में करीब 20 रुपए लागत आई। इसमें 40 फीसद अंडा है , भरपूर इनसे मिनरल, विटामिन है। एक बार डिब्बा खोलने के बाद एयरटाइट डिब्बे में रखा जाए, तो एक महीने तक खराब नहीं होगा। बड़ी संख्या में लोग किसी न किसी तौर पर अंडे का सेवन करते हैं, इसमें शुगर का स्तर कम है। ऐसे में अंडा से परहेज न रखने वाले मधुमेह रोगी भी इसे खा सकेंगे। इसके पेटेंट के लिए दिल्ली में प्रक्रिया चल रही है,जिसके बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफ एस एस ए आई) से अनुमति ली जाएगी।

किसी भी कुकिंग ऑयल से ज्यादा हेल्दी है आपका पारंपरिक सरसों का तेल

जब बात हेल्दी खाने की आती है तो कुकिंग ऑयल का आपकी सेहत पर गहरा असर पड़ता है। सिर्फ खाने में तेल की मात्रा ही नहीं, बल्कि यह भी जरूरी है कि कौन सा तेल इस्तेमाल किया जा रहा है। अगर आप मोटापा, हृदय रोग और अन्य बीमारियों से बचने के लिए बेस्ट कुकिंग ऑयल ढूंढ रहीं हैं तो आपके लिए सरसों का तेल एक बेहतर विकल्प हो सकता है। यह भारतीय खासतौर से उत्तर भारतीय घरों में इस्तेमाल होने वाला कॉमन कुकिंग ऑयल है। केवल स्वाद ही नहीं, ये अपने स्वास्थ्य संबंधी लाभों के लिए भी जाना जाता है।

क्या होने चाहिए एक हेल्दी कुकिंग ऑयल में गुण

1. पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड

पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड) कुकिंग ऑयल का एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। यह आपको ओमेगा-3 और ओमेगा-6 फैटी ऐसिड देता है, जो स्वस्थ शरीर के लिए जरूरी है। आम तौर पर यह प्लांट-बेस्ड ऑयल में पाया जाता है। सरसों के बीज से बनने वाले मस्टर्ड ऑयल में भरपूर मात्रा में पूफा पाया जाता है। सरसों के तेल में लगभग 21 प्रतिशत पूफा की मात्रा पाई जाती है।

2. स्मोक पॉइंट

हर ऑयल का स्मोक पॉइंट वह तापमान हैं, जो तय करता है कि आपको तेल को पकाना कब बंद कर देना चाहिए। यदि इस तापमान से ज्यादा तेल को पकाया जाएगा, तो वह अपने पौष्टिक तत्वों को खोकर हानिकारक रसायन उत्पन्न करने लगता है। सरसों के तेल का स्मोक पॉइंट 249 डिग्री सेल्सियस है, जो एक अच्छे कुकिंग ऑयल का गुण होता है।

3. मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड

यह फैटी एसिड सैचुरेटेड फैट और ट्रांस फैट का बेहतरीन विकल्प हैं। वज़न को नियंत्रण में रखने के लिए इसका उपयोग किया जा सकता हैं। इसके सेवन से हृदय रोगों से भी बचा जा सकता हैं। तीखे स्वाद वाले सरसों तेल में लगभग 60 प्रतिशत मूफा है, जो आपको स्वस्थ रखने के लिए एक बढ़िया कुकिंग ऑयल बनाता है।

अब जानते हैं सरसों के तेल का पोषण मूल्य

सरसों तेल में कई ऐसे पोषण तत्व हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। यह मूफा , पूफा, सैचुरेटेड फैट, प्रोटीन और अन्य माइक्रो-न्यूट्रीएंट्स से भरपूर है। जिससे वजन बढ़ने, हृदय रोग या अन्य समायाओं का खतरा नहीं होता। सरसों के बीजों से बना सरसों का तेल फ़ाइबर और स्टार्च के रूप में कार्बोहाइड्रेट देता है जो आपको एनर्जेटिक रखता है। यह आपके पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है, जिससे वजन कम करने में भी मदद मिलती है।

यहां हैं अपने आहार में सरसों का तेल इस्तेमाल करने के फायदे

1. यह माइक्रोबियल ग्रोथ को रोकता है

अध्ययनों द्वारा पता चल है कि सरसों के तेल में एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं, जो आपके शरीर में बैक्टीरीया के विकास को रोक सकता है। एक टेस्ट-ट्यूब अध्ययन के अनुसार, सफेद सरसों का तेल एस्चेरिचिया कोलाई , स्टैफिलोकोकस ऑरियस और बैसिलस सेरेस सहित कई खतरनाक बैक्टीरिया को रोकने में कारगर है। यह आपको स्वस्थ रखता है।

2. दिल की सेहत के लिए अच्छा है

सरसों का तेल मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड से भरपूर होता है। इस फैटी ऐसिड को कई तरह के लाभों से जोड़ा गया है, खासकर जब हृदय स्वास्थ्य की बात आती है। अध्ययनों से पता चलता है कि यह ट्राइग्लिसराइड , ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं। ये सभी हृदय रोग के जोखिम को कम करता है।

3. कैंसर से लड़ने में मददगार

अध्ययन द्वारा यह साबित हुआ है कि सरसों तेल कैंसर सेल्स को रोकने में कारगर है। इसमें मौजूद ओमेगा-2 पूफा कैंसर के जोखिम को काम करता है। साथ ही इसके लगातार सेवन से यह ट्यूमर के साइज़ को 50 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

4. वजन को नियंत्रण में रखें

सरसों तेल में खाना बनाने का एक फायदा यह है कि ये आपके वजन को कंट्रोल में रखता है। सरसों तेल बैड कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके गुड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ावा देता है। इससे आपको वेट लॉस में मदद मिलेगी।

5. त्वचा और बालों के स्वास्थ्य के लिए भी है फायदेमंद

शुद्ध सरसों का तेल अक्सर बालों और त्वचा के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। खाने में इस्तेमाल करने के साथ इसे सर पर भी लगाया जाता है। साथ ही इसे घर के बने फेस मास्क और बालों के उपचार में जोड़ा जाता है। इसे कभी-कभी मोम के साथ मिलाया जाता है और फटी एड़ी को ठीक करने में मदद करने के लिए पैरों पर लगाया जाता है।

6. दर्द कम कर सकता है सरसों का तेल

सरसों के तेल में एलिल आइसोथियोसाइनेट होता है। यह एक केमिकल कम्पाउन्ड है जो शरीर के दर्द को दूर करता है। इसके सही मात्रा में सेवन से पेन रिसेप्टर्स पर गहरा प्रभाव पड़ता है और वह ठीक हो जाता है। तो लेडीज, सरसों का तेल आपको ऑल राउन्ड फायदा दे सकता है। जल्द ही इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं।

प्रोस्टेट और ओवेरियन कैंसर का कारण बन सकता है गोद में लैपटॉप रखकर काम करना

आजकल जब सब कुछ डिजिटल हो गया है और वर्क फ्रॉम होम जोरों पर है, हम बहुत सारी बातों को नजरंदाज कर रहे हैं। आपने यह ज़रूर सुना होगा कि लंबे समय तक बैठकर काम करने से सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। मगर क्या आप जानती हैं कि गोद में लैपटॉप रखकर काम करना भी आपकी सेहत के लिए हानिकारक है? यकीनन आपने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया होगा, लेकिन गोद में लैपटॉप लेकर काम करना भी आपकी सेहत पर भारी पड़ सकता है। चलिये पता करते हैं कैसे?

यह आपके प्रजनन अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है

आपको लग सकता है कि लैपटॉप क्या ही नुकसान पहुंचाएगा, मगर आपका ऐसा सोचना बिल्कुल गलत है। यह वायरलेस इंटरनेट सिग्नल प्राप्त करता है और ईएमएफ को रेडिएट करता है। इसलिए अगर गोद में रख कर लैपटॉप का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपके रिप्रोडक्टिव सिस्टम को नुकसान पहुंच सकता है और आपके एग्स भी डैमेज हो सकते हैं। दूसरी ओर यह पुरुषों में भी शुक्राणुओं की संख्या को प्रभावित कर सकता है। यहां तक कि, अमेरिकन सोसाइटी फॉर रिप्रोडक्टिव मेडिसिन द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि अपनी गोद में लैपटॉप रखने से प्रजनन क्षमता प्रभावित हो सकती है।

2. इससे पीठ और गर्दन में दर्द हो सकता है

हाल ही में हुए एक अध्ययन में पाया गया कि लैपटॉप को अपनी गोद में रखने से गर्दन और पीठ में दर्द हो सकता है। इसलिए लैपटॉप को एक टेबल पर रखें या आप चाहें तो, एक स्टैंडिंग डेस्क का उपयोग कर सकती हैं, जो आपके बॉडी पॉस्चर के लिए बेहतर है।

3. इससे अनिद्रा की समस्या हो सकती है

कई बार ऐसा भी हुआ होगा जब आपने आराम से और बिस्तर पर टाइप करते हुए अपने लैपटॉप को अपनी गोद में रखा होगा। स्क्रीन से निकलने वाली रेज़ आंखों को नुकसान पहुंचाती हैं और मेलाटोनिन रिलीज को दबा सकती हैं। जिससे आपको नींद में परेशानी महसूस होने लगती है। यदि आप अनिद्रा से पीड़ित हैं, तो अपने लैपटॉप को अपनी गोद में लेकर काम करना बंद कर दें। साथ ही, सोते समय किताब पढ़ें।

4. इससे कुछ प्रकार के कैंसर हो सकते हैं

यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल बेसल के शोध में सामने आया कि आपकी गोद में रखा हुआ हीटेड लैपटॉप, आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। जिससे त्वचा का कैंसर भी विकसित हो सकता है। चूंकि लोग अपने प्रजनन अंगों के पास लैपटॉप रखते हैं, यह प्रोस्टेट और ओवेरियन कैंसर का कारण बन सकता है।

5. यह आपकी त्वचा को जला सकता है

यदि आपको भी अपनी गोद में लैपटॉप रखकर काम करने की आदत है तो, संभल जाइए! नहीं तो आप आप टोस्टेड स्किन सिंड्रोम विकसित कर सकती हैं। एक मेडिकल रिपोर्ट में पाया गया है कि लंबे समय तक त्वचा के बगल में लैपटॉप जैसे उपकरणों को रखने से असामान्य दिखने वाली त्वचा की स्थिति या लंबे समय तक गर्मी के संपर्क में रहने के कारण दाने हो सकते हैं। अंत में, जितना हो सके खुद को लैपटॉप से दूर रखें और काम करते समय इसे किसी टेबल

क्रूज ड्रग्स पार्टी केसः शाहरुख खान के बेटे आर्यन की जमानत अर्जी पर फैसला नहीं

12 बजे से फिर बैठेगी बेंच

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की जमानत अर्जी पर सेशन कोर्ट में आज भी फैसला नहीं हो सका। कोर्ट ने गुरुवार तक के लिए सुनवाई टाल दी है। कल 12 बजे से बेंच मामले पर एक बार फिर से सुनवाई करेगी। इससे पहले NCB ने स्पेशल NDPS कोर्ट में अपना जवाब दाखिल किया। इसमें NCB ने आर्यन की जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपियों में एक का रोल दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है। आरोपी (आर्यन खान) के पास से कोई बरामदगी नहीं हुई, इसके बावजूद वह इस पूरी साजिश में शामिल है।

NCB ने अपने जवाब में आर्यन को प्रभावशाली व्यक्ति कहा। NCB की ओर से कहा गया कि वह सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। जांच एजेंसी ने कहा कि ये साफ है कि आरोपी अचित कुमार और शिवराज हरिजन ने आरोपी आर्यन खान और अरबाज मर्चेंट को चरस की आपूर्ति की। आर्यन और अरबाज एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। NCB ने आगे कहा कि हमारे रिकॉर्ड में ऐसी सामग्री है, जिससे पता चलता है कि आर्यन खान विदेश में कुछ ऐसे लोगों के संपर्क में थे, जो ड्रग्स की अवैध खरीद के लिए एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हिस्सा प्रतीत होते हैं। जांच अभी जारी है।

वे सभी युवा हैं, पेडलर नहींः देसाई

आर्यन के वकील अमित देसाई ने के काम पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने 4 अप्रैल को इंटरनेशनल ट्रैफिकिंग की बात कही थी और आज 13 तारीख है, इस बीच में कुछ भी नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि जिस प्रतीक ने आर्यन को पार्टी में बुलाया, उसे पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया। देसाई ने कहा कि सभी आरोपी युवा हैं। वे हिरासत में हैं और उन्हें सबक मिल गया है। उन्होंने काफी कुछ सहा है। हालांकि वे पेडलर नहीं है। देसाई ने कहा कि कई देशों में इस पदार्थ को कानूनी मान्यता है।

चैट से पता चलता है, भारी मात्रा में ड्रग्स की खरीदी की गईत्न एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने कहा कि चैट से पता चलता है कि भारी तादाद में ड्रग्स की खरीदी की गई। मैं इन ड्रग्स के बारे में नहीं जानता, लेकिन मेरे अधिकारियों ने मुझे बताया है कि ये बहुत खतरनाक ड्रग्स हैं।

ASG ने कहा कि अचित कुमार (आर्यन के बयान के मुताबिक) एक ड्रग पेडलर है। चिनेदु इग्वे (नाइजीरियाई), शिवराज हरिजन, अब्दुल कादिर शेख और एक एक दूसरा नाइजीरियाई नागरिक भी इसमें लिप्त मिले हैं। इस तरह की बातचीत को ड्रग्स के पर्सनल उपयोग के लिए नहीं की जा सकती। हमने विदेश मंत्रालय से पूछा है कि हम किस तरह विदेशी नागरिकों तक पहुंच सकते हैं।

सलमान को बरी कराने वाले वकील लड़ रहे आर्यन का केस

क्रूज ड्रग्स पार्टी मामले में आर्यन 14 दिन की न्यायिक हिरासत में हैं। उन्हें आर्थर रोड जेल में रखा गया है। शाहरुख ने आर्यन के लिए मुंबई के नामी वकील अमित देसाई को हायर किया है। वे सतीश मानशिंदे के साथ मिलकर इस केस की पैरवी कर रहे हैं। बता दें कि देसाई ने साल 2002 में सलमान खान को हिट एंड रन केस में बरी कराया था। इससे पहले आर्यन की जमानत अर्जी मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट यानी किला कोर्ट से खारिज हो चुकी है। क्रूज ड्रग्स पार्टी केस में ह्ल्ष्टक्च ने आर्यन समेत 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, इनमें दो विदेशी नागर?क भी शामिल हैं।

आर्यन के रोल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता

आर्यन की जमानत का विरोध करते हुए NCB ने कहा कि आरोपियों में एक का रोल दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है। आरोपी के पास से कोई बरामदगी नहीं हुई, इसके बावजूद वह इस पूरी साजिश में शामिल है। खान पर प्रतिबंधित सामग्री खरीदने का आरोप है। अरबाज के पास से प्रतिबंधित सामग्री पाई गई थी। हम विदेशों में लेनदेन से संबंधित मामले की जांच कर रहे हैं।

वॉट्सऐप चैट के आधार पर आर्यन को उलझाने की कोशिशः वकील

आर्यन खान की ओर से अदालत में दायर याचिका में कहा गया है, वॉट्सऐप चैट की सत्यता या सटीकता स्थापित किए बिना, अभियोजन पक्ष वर्तमान कार्यवाही में उसे (आर्यन को) उलझाने के लिए पूरी तरह से कुछ कथित वॉट्सऐप चैट पर भरोसा कर रहा है। याचिका में आगे कहा गया है, इसके अलावा, ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे यह पता चलता है कि इन कथित चैट का उस (क्रूज ड्रग केस) मामले से कोई संबंध है, जिसकी वर्तमान में जांच की जा रही है।

आर्यन जमानत अपडेट

आर्यन के वकील ने आगे कहा कि इसके बाद विक्रांत चोकर कोकीन के साथ पकड़े गए। चोकर से कथ?ित तौर पर चरस जैसा पदार्थ भी बरामद किया गया। इश्मीत सिंह के पास से उन्हें गुलाबी रंग की 15 गोलियां मिलीं- एक्स्टसी। फिर उन्होंने एक और छापा मारा जहां बिक्री और खरीद के लिए कथित तौर पर पैसा रखा था। दो और लोग, जिनका विवरण संदिग्धों से मेल खाता था को एनसीबी ने टर्मिनल पर रोका।

सावरकर पर बहस तेजः ऐसा ही रहा तो ये गांधी की बजाय सावरकर को राष्ट्रपिता बना देंगेः असदुद्दीन ओवैसी

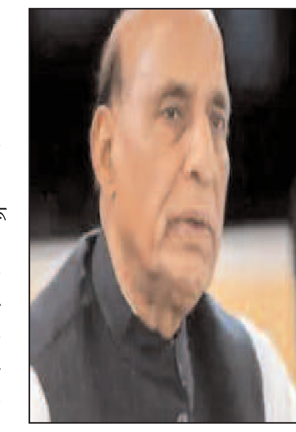

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वीर सावरकर को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। ऋस्स्र प्रमुख मोहन भागवत और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सावरकर पर दिए बयान पर ढ्ढद्वढ्ढरू प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने निशाना साधा है। दरअसल भागवत और राजनाथ ने मंगलवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि वीर सावरकर को बदनाम करने के लिए आजादी के बाद से ही मुहिम चल रही है। इस पर ओवैसी ने कहा है कि इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। अगर ऐसा ही रहा तो एक दिन वे महात्मा गांधी की बजाय सावरकर को राष्ट्रपिता बना देंगे।

इतना ही नहीं ओवैसी ने ये भी कहा कि सावरकर ने अपनी रिहाई के लिए अंग्रेजों को माफीनामे के खत लिखे थे। यहां तक कि सावरकर पर महात्मा गांधी की हत्या की साजिश में शामिल होने के आरोप थे और जस्टिस जीवन लाल कपूर की जांच में भी ये बात कही गई थी। भागवत ने कहा- सावरकर को लेकर जानकारी की कमी दरअसल मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा था कि वीर सावरकर को लेकर भारत में जानकारी का अभाव है। उनके बाद स्वामी विवेकानंद, स्वामी दयानंद सरस्वती और योगी अरविंद को बदनाम करने का नंबर लगेगा, क्योंकि सावरकर इन तीनों के विचारों से प्रभावित थे। भागवत ने कहा कि सैयद अहमद को मुस्लिम असंतोष का जनक कहा जाता है। इतिहास में दारा शिकोह और अकबर हुए पर औरंगजेब भी हुए, जिन्होंने चक्का उल्टा घुमाया। भागवत ने ये बात दिल्ली में सावरकर पर लिखी एक किताब के विमोचन कार्यक्रम में कही थी।इसी कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कहा था कि सावरकर के खिलाफ ये झूठ फैलाया जा रहा है कि उन्होंने अंग्रेजों से माफी मांगी थी। इसके उलट सच्चाई ये है कि उन्होंने कानूनी अधिकार के तहत और महात्मा गांधी के कहने पर ही अंग्रेजों के सामने अर्जी दी थी ताकि जेल से रिहा हो सकें और आजादी के आंदोलन में शामिल हो सकें। वे भारतीय इतिहास के आइकॉन हैं और रहेंगे।

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में पीएम गति शक्ति -राष्ट्रीय मास्टर प्लान के शुभारंभ के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। साथ में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी हैं।

न्यूज ब्रीफ

शहीद JCO जसविंदर को मां ने किया सैल्यूट

कपूरथला।जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आतंकी हमले में शहीद हुए JCO जसविंदर सिंह का संस्कार बुधवार को पूरे सैन्य सम्मान के साथ कर दिया गया। बुधवार सुबह शहीद का पार्थिव शरीर कपूरथला जिले में स्थित उनके पैतृक गांव माना तलवंडी लाया गया। गांव के श्मशान घाट में दोपहर एक बजे शहीद की चिता को अग्नि दी गई। शहीद की मां मनजीत कौर ने बड़े ही गर्व के साथ अपने बेटे का मुंह देखकर उसे सैल्यूट किया। 11 साल की बेटी हरनूर कौर ने भी अपने पिता के पार्थिव शरीर को सैल्यूट किया। बुधवार सुबह शहीद जसविंदर सिंह का पार्थिव शरीर घर पहुंचने के बाद उनकी बीमार मां मनजीत कौर के चेहरे पर बेटे के जाने का गम साफ झलक रहा था। इसके बावजूद उन्होंने धैर्य नहीं खोया और पार्थिव शरीर लेकर पहुंचे सिख रेजिमेंट के जवानों और अधिकारियों से बातचीत की। बेटे की कुर्बानी पर गर्व करते हुए मनजीत कौर ने कहा कि वह जसविंदर की ही नहीं बल्कि फौजियों की पूरी पलटन की मां हैं। जसविंदर ने उनके दूध की लाज रखते हुए देश और पंजाब का नाम रोशन किया है। मनजीत कौर ने कहा, 'मेरा पोता और जसविंदर सिंह का बेटा विक्रमजीत अभी थोड़ा छोटा है। जिस दिन विक्रमजीत 10वीं कर लेगा, मैं उसे भी फौज में भेजूंगी। वह हमारे परिवार की परंपरा को आगे बढ़ाएगा। देश की सेवा करना हमारे परिवार का धर्म है।' गौरतलब है कि जसविंदर के पिता हरभजन सिंह आर्मी से बतौर कैप्टन रिटायर हुए। पिता हरभजन सिंह का 2 महीने पहले ही कोरोना से निधन हो चुका है। पिता की बीमारी के वक्त ही जसविंदर आखिरी बार गांव आए थे। जसविंदर अपने पिता को देखकर ही 21 साल पहले सिख रेजीमेंट में भर्ती हुए थे। 2007 में जसविंदर को आतंकियों के साथ बहादुरी से मुकाबला करने पर सेना मेडल से सम्मानित किया गया।

INS रणविजय (D55) और INS सतपुड़ा (F48) बंगाल की खाड़ी में बहुपक्षीय समुद्री पूर्व मालाबार चरण I में भाग लेते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी हैं।

पाकिस्तान में सरकार पर सेना भारी:इमरान की मर्जी के बिना सेना प्रमुख बाजवा ने बदल दिया ।ऽ। चीफ, कहा- आर्मी के मामलों में दखलंदाजी कर हद पार न करें

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा के बीच इन दिनों टकराव चल रहा है। इसकी जड़ है तालिबान, जिससे मुलाकात की वजह से बाजवा ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ के चीफ को बदल दिया है। दरअसल बाजवा ने पिछले हफ्ते ढ्ढस्ढ्ढ चीफ जनरल फैज हमीद को हटाकर लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अहमद अंजुम को अपॉइंट कर दिया था, लेकिन इमरान खान के ऑफिस से इसका नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया। तभी से इमरान खान और बाजवा के बीच तल्खी की खबरें आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इमरान नहीं चाहते थे कि फैज हमीद को ढ्ढस्ढ्ढ चीफ के पद से हटाया जाए, लेकिन बाजवा ने साफ कह दिया कि इमरान को सेना के मामलों में दखल देकर अपनी हद पार नहीं करनी चाहिए। अगर वे चाहें तो हमीद को 15 नवंबर तक एक्सटेंशन दिया जा सकता है, लेकिन इसके बाद उन्हें पद पर नहीं रखा जा सकता। पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार नजम सेठी भी एक टीवी शो में कह चुके हैं कि इस मुद्दे पर इमरान खान के रवैए की वजह से विवाद की स्थिति बनी और यही वजह है कि सरकार की तरफ से अभी तक नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि इमरान खान और सेना प्रमुख बाजवा के बीच कोई विवाद नहीं है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने पिछले हफ्ते एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था कि ढ्ढस्ढ्ढ चीफ बदलने को लेकर इमरान खान और बाजवा के बीच लंबी चर्चा हुई थी और बाजवा ने इस मामले में सरकार को भरोसे में लिया था।

चौधरी ने कानून का हवाला देते हुए

लखीमपुर हिंसा की लड़ाई राष्ट्रपति भवन पहुंची

लखनऊ।लखीमपुर हिंसा की लड़ाई अब राष्ट्रपति भवन तक पहुंच गई है। बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुआई में एक प्रतिनिधि मंडल ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रपति को लखीमपुर हिंसा से जुड़े तथ्य और ज्ञापन सौंपा। कांग्रेसी नेताओं ने इस मामले में आरोपी आशीष मिश्र के पिता केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र को उनके पद से हटाने की मांग की है। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने कहा, पीड़ित परिवारों का कहना है कि जिसने भी उनके बेटे की हत्या की है। उसे सजा मिले। जिस व्यक्ति (आशीष मिश्र) ने हत्या की उसके पिता देश के गृह राज्य मंत्री हैं। जब तक वह अपने पद पर हैं तब तक न्याय नहीं मिलेगा। ये बात हमने राष्ट्रपति को बताई है।

हरियाणा में मॉब लिंचिंगः मामूली रंजिश में BSc के छात्र की पीट-पीटकर हत्या, जल्दी दम न तोड़े इसलिए बीच-बीच में पिलाते रहे पानी

रेवाड़ी/महेन्द्रगढ़।हरियाणा के महेन्द्रगढ़ में एक पिछड़ी जाति के छात्र पर बेरहमी से लाठी-डंडे बरसाने का वीडियो सामने आया है। हमले में घायल छात्र ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वायरल वीडियो में बदमाश हमला करने के साथ ही बीच-बीच में छात्र को पानी भी पिलाते दिख रहे हैं। वारदात 9 अक्टूबर की है, लेकिन वीडियो अब सामने आया। इस मामले में महेन्द्रगढ़ पुलिस ने आधा दर्जन नामजद सहित कई लोगों पर हत्या का केस दर्ज किया है। एक आरोपी विक्की उर्फ फुकरा को गिरफ्तार किया गया है। कोर्ट ने उसे दो दिन की रिमांड पर भेजा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी गौरव की मौत का कारण बेरहमी से हुई पिटाई ही सामने आई हैं। महेन्द्रगढ़ जिले के गांव बवाना निवासी 18 वर्षीय छात्र गौरव यादव 9 अक्टूबर की दोपहर महेन्द्रगढ़ से बाइक पर अपने घर लौट रहा था। तभी उसे रास्ते में गांव मालड़ा में नहर के पास रवि, कप्तान, अजय और मोहन समेत 10 से अधिक लोगों ने रोक लिया। इससे पहले गौरव कुछ समझ पाता बदमाशों ने उसे चारों तरफ से घेर लिया।

साम्प्रदायिकता और धर्मांतरण में इनकी मास्टरी; ये दंगा भड़काकर शहर को बर्बाद करेंगे, हम ऐसा होने नहीं देंगेः बघेल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज रायपुर

छत्तीसगढ़ के कवर्धा में हुए साम्प्रदायिक हिंसा के बहाने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े संगठनों का विरोध-प्रदर्शन जारी है। इस बीच, प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने RSS पर बड़ा जुबानी हमला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, इन लोगों की दो ही चीजों में मास्टरी है। एक धर्मांतरण और दूसरी साम्प्रदायिकता। ये लोग हर छोटी घटना को साम्प्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसा कतई नहीं होने दिया जाएगा। माता महामाया के दर्शन के लिए रतनपुर रवाना होने से पहले रायपुर हैलिपैड पर मीडिया से बातचीत में बघेल ने कहा, अब इनके पास छत्तीसगढ़ में कोई मुद्दा रहा नहीं। ये लोग किसानों, मजदूरों, आदिवासियों, अनुसूचित जाति, व्यापार और उद्योग के बारे में बात नहीं कर सकते। धर्मांतरण और साम्प्रदायिकता पर ही लड़ाने का काम कर रहे हैं।

ये छोटी सी घटना को भी बड़ा बनाना चाहते हैं

कोरोना के कारण बहुत समय से व्यापार-कारोबार बंद था। अब जाकर खुला है तो ये लोग दंगा भड़काकर शहर को बर्बाद करेंगे। हम यह कतई नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, किसी भी घटना को बिल्कुल हल्के में नहीं लेना है। ये छोटी सी घटना को भी बड़ा बनाना चाहते हैं। दो लोग लड़ेंगे तो हो सकता है, उसमें दोनों भाई हों। हो सकता है दो जातियों या दो अलग-अलग धर्मों के लोग हों। आपस में लड़ाई-झगड़ा हो ही जाता है। हर बात को साम्प्रदायिकता का रंग देने की कोशिश करेंगे उस पर हमें कड़ी निगाह रखनी है।

छत्तीसगढ़ के RSS कार्यकर्ताओं को बताया बंधुआ

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में RSS के लोगों का 15 साल तक कोई काम नहीं हुआ। बंधुआ मजदूर की तरह काम करते रहे। आज भी इनकी कोई नहीं चलती। वो सब नागपुर से संचालित होते हैं। जैसे नक्सलियों के नेता आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और दूसरे प्रदेशों में हैं। यहां के लोग केवल गोली चलाने और गोली खाने का काम करते हैं। RSS की भी स्थिति यही है। यहां RSS के लोगों का कोई वजूद नहीं है। जो कुछ है, वह नागपुर से है।

तेजपुर में दुर्गा पूजा उत्सव के महा अष्टमी समारोह के दौरान ऐतिहासिक भैरवी मंदिर में दीप जलाते श्रद्धालु।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय टीम नए रंग में आएगी नजर

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर BCCI ने बड़ी घोषणा की है। इस मेगा इवेंट के लिए टीम इंडिया की नई जर्सी लॉन्च हो गई है। भारतीय टीम टी-20 वर्ल्ड कप में अपना पहला मुकाबला 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने वाली है। इससे पहले टीम इंडिया जो जर्सी पहनती थी वो 1992 विश्व कप की जर्सी से मिलती जुलती थी। नई जर्सी नेवी ब्लू रंग की है। इसे BCCI ने बिलियन चीयर्स जर्सी का नाम दिया है।

17 अक्टूबर से शुरू होगा टी-20 वर्ल्ड कप:- टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक होना है। क्वालिफाइंग राउंड मिलाकर कुल 45 मैच खेले जाएंगे। इसमें से क्वालिफायर राउंड में 12 मैच और सुपर-12 राउंड में 30 मैच खेले जाएंगे। इसके अलावा सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले होंगे। 24 अक्टूबर को होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच से पहले जर्सी को लेकर विवाद भी हो गया है। पाकिस्तान टीम ने अपनी जर्सी पर ICC मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप इंडिया लिखवाने की बजाय ICC मेन्स टी-20 वर्ल्ड कप UAE लिखवाया है। भारत वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है। ऐसे में पाकिस्तान को अपनी जर्सी पर भारत लिखवाना चाहिए था।

इंडियन वेल्स में उलटफेर का दौर, इगा स्वियातेक बाहर

इंडियन वेल्स (अमरीका)। इगा स्वियातेक सहित कुछ शीर्ष खिलाड़ी मंगलवार को यहां उलटफेर का शिकार बनकर बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गये। दूसरी वरीयता प्राप्त स्वियातेक को 24वें नंबर की येलेना ओस्टापेंको ने 6-4, 6-3 से हराया। इससे एक दिन पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त कारोलिना पिलिसकोवा को बीट्रिज हद्दाद माइया ने 6-3, 7-5 से पराजित किया था। अमरीका की जेसिका पेगुला ने पांचवीं वरीयता प्राप्त इलिना स्वितोलिना को 6-1, 6-1 से पराजित करके पहली बार इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। यूएस ओपन की उप विजेता लीलाह फर्नांडिस को शेल्बी रोजर्स ने 2-6, 6-1, 7-6 (4) से हराया। पुरुष वर्ग में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने पांचवी वरीयता प्राप्त मैटियो बेरेटिनी को 6-4, 6-3 से जबकि कारेन खाचनोव ने 12वें वरीय पाब्लो कारेना बस्टा को 6-0, 6-4 से शिकस्त दी। छठी वरीयता प्राप्त कास्पर रूड ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद लॉयड हैरिस पर 6-7 (4), 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की जबकि यानिक सिनर को अमेरिका जॉन इसनर के हटने से वॉकओवर मिला।

बेंगलुरू नहीं करेगा एबी डिविलियर्स को रिटेन!:गौतम गंभीर ने कहा- ग्लेन मैक्सवेल हैं टीम का भविष्य, 37 साल के हो चुके डिविलियर्स नहीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अगले सीजन टीम के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को रिटेन नहीं करना चाहेगी। गंभीर का मानना है कि ग्लेन मैक्सवेल ने इस सीजन बेंगलुरु के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं और टीम उनके साथ ही जाना चाहेगी। वो भविष्य में टीम का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

जब गंभीर से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि बेंगलुरू इस सीजन में डिविलियर्स को रिटेन नहीं करने का विकल्प चुन सकता है, तो गंभीर ने कहा, %हां, क्योंकि मुझे लगता है कि वे ग्लेन मैक्सवेल को टीम में बरकरार रखेंगे। मैक्सवेल टीम का भविष्य हैं और मेरे हिसाब से एबी डिविलियर्स नहीं।

2011 में बेंगलुरू से जुड़े थे डिविलियर्स

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान डिविलियर्स 2011 में बेंगलुरू में शामिल हुए थे और तब से टीम का एक अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने आईपीएल के 184 मैचों में 5162 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 151.68 का है। 2021 के आईपीएल सीजन में डिविलियर्स के बल्ले से 313 रन निकले हैं।

भारत में खेले गए 2021 सीजन का पहला फेज एबी के लिए शानदार रहा था, लेकिन दूसरे फेज में वो रन बनाने के लिए तरसते रहे। दूसरे फेज में उनका सर्वाधिक स्कोर सिर्फ 26 रन था। इस दिग्गज खिलाड़ी ने साल 2018 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। हालांकि, उसके बाद वो टी-20 लीग खेलते रहे हैं।

कोहली और चहल को भी बेंगलुरू कर सकती है रिटेन

गंभीर ने ये भी कहा कि बेंगलुरू मैक्सवेल के साथ विराट कोहली और युजवेंद्र चहल को भी रिटेन कर सकती है। बता दें, विराट कोहली ने बेंगलुरू की कप्तानी छोड़ दी है। अब वो एक बल्लेबाज के रूप में टीम के साथ जुड़ सकते हैं।

टी20 वर्ल्ड कप में हार्दिक पंड्या पर सस्पेंस

बाहर हो सकते हैं हार्दिक; वेंकटेश, दीपक और शार्दूल में किसी एक को मिल सकती है एंट्री

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप में हार्दिक पंड्या के टीम इंडिया में बरकरार रहने पर संशय जारी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आज इस पर फैसला ले सकता है। मीडिया की रिपोर्ट की मानें तो आज बोर्ड टी 20 वर्ल्ड की टीम में बदलाव की घोषणा कर सकता है।आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को एंट्री मिल सकती है। हार्दिक पंड्या पर भी बड़ा फैसला लिया जा सकता है। पंड्या के स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर के अलावा दीपक चाहर या शार्दूल ठाकुर में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है।आईपीएल के सेकेंड लेग में डेब्यू करने वाले अय्यर ने अपने खेल से प्रभावित किया है। वह ओपनर होने के साथ ही मीडियम पेसर भी हैं।आईपीएल के सेंकेड लेग में खेले गए 8 मैचों में 265 रन बनाने के साथ उन्होंने तीन विकेट भी लिए हैं।

पंड्या का प्रदर्शन निराशाजनक

पंड्या नेआईपीएल के सेकेंड लेग में गेंदबाजी नहीं की। बल्लेबाजी में उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। सिर्फ एक मैच में वे वो अपने टच में दखे, लेकिन उसके बाद अगली तीन पारियों में फ्लॉप रहे। वेआईपीएल सेकेंड लेग के 5 मैचों में 75 रन बनाए।

2015 से वेंकटेश घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं

अय्यर घरेलू क्रिकेट 2015 से खेल रहे हैं, लेकिन 2020-21 में उनके अलग ही था। टी20 के सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वह 75.66 की औसत और 149.34 के स्ट्राइक रेट से 227 बनाकर अपने टीम के टॉप स्कोरर रहे। विजय हजारे ट्रॉफी में 402 के स्कोर में उन्होंने पंजाब के विरुद्ध 146 गेंदों पर 198 रन ठोके। वहीं 2018 में उन्होंने रणजी में हैदराबाद के खिलाफ डेब्यू किया।

दीपक और शार्दूल भी दावेदार

वेंकटेश के अलावा दीपक और शार्दूल भी पंड्या की जगह लेने के लिए प्रबल दावेदार हैं। दीपक नेआईपीएल के 14 मैचों में 1 रन बनाकर 13 विकेट लिए हैं, जबकि शार्दूल ठाकुर ने 15 मैचों में 18 विकेट लेकर 5 रन बनाए हैं।

आवेश और हर्षल पटेल की भी हो सकती है एंट्री

आवेश खान, हर्षल पटेल और उमरान मलिक को नेट बॉलर के तौर पर टीम में शामिल किया जा सकता है। पटेल ने रॉयल चैंलेजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलते हुएआईपीएल में सबसे ज्यादा 32 विकेट लेने के ड्वेन ब्रावो के रिकॉर्ड की बराबरी की है। मध्यप्रदेश से रणजी खेलने वाले आवेश खान 23 विकेट लेकर भारतीय खिलाड़ियों मेंआईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं।

उमरान मलिक ने रफ्तार से सबको किया प्रभावित

सनराइजर्स हैदराबाद से डेब्यू करने वाले जम्मू के उमरान मलिक को पहले ही नेट बॉलर के तौर पर टीम से जोड़ने की खबर आ चुकी है। मलिक ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ऋष्टक्क) के खिलाफ खेलते हुए 152.95 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। मलिक को सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाज टी नटराजन के कोरोना संक्रमित होने के बाद टीम में शामिल किया गया था। मलिक टीम के साथ नेट बॉलर के तौर पर जुड़े हुए थे। इसके बाद उनकी तुलना वकार यूनुस के साथ भी की जा रही है।

रोनाल्डो अंतरराष्ट्रीय मैच में सबसे ज्यादा बार हैट्रिक गोल करने वाले फुटबॉलर बने

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने नाम एक और रिकॉर्ड दर्ज करा लिया है। वह अंतरराष्ट्रीय मैच में सबसे ज्यादा बार हैट्रिक गोल करने वाले फुटबॉलर बन गए हैं। फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में लक्जमबर्ग के खिलाफ मैच में उन्होंने दो गोल पेनाल्टी और एक गोल हेडर से करके यह करनामा किया। इसके साथ ही पुर्तगाल ने लक्जमबर्ग को 5-0 हराया। इस जीत के साथ पुर्तगाल टीम ग्रुप-2 में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। पहले स्थान पर 17 अंकों के साथ सर्बिया की टीम है। वहीं, पुर्तगाल के 16 अंक हैं। रोनाल्डो ने स्वीडन के स्वेन रीडेल के 9 बार हैट्रिक गोल करने के रिकॉर्ड को तोड़ा है। अब रोनाल्डो के अंतरराष्ट्रीय करियर में 10 हैट्रिक गोल हो चुके हैं। उन्होंने 2019 में लिथुआनिया के खिलाफ रीडेल के 9 बार हैट्रिक की बराबरी की थी। वहीं अब तक करियर में 58 बार हैट्रिक लगा चुके हैं।

रोनाल्डो के नाम सबसे ज्यादा गोल

इसके अलावा लक्जमबर्ग के खिलाफ तीन गोल से रोनाल्डो के नाम अब 115 अंतरराष्ट्रीय गोल हो गए हैं। वह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी हैं। यूरो कप 2020 के दौरान उन्होंने ईरान के पूर्व फुटबॉलर अली डेई के सबसे ज्यादा गोल (109) के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। इसके बाद सितंबर में रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड के खिलाफ मैच में दो गोल दाग डेई के रिकॉर्ड को तोड़ा था।

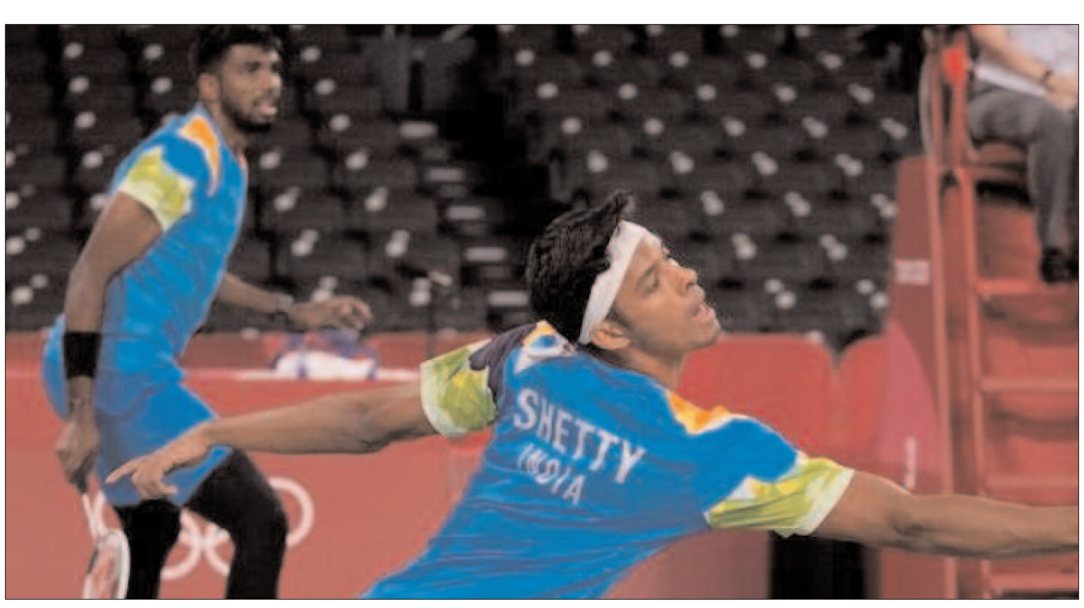

आरहस। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने ताहिती को 5-0 से करारी शिकस्त देकर 2010 के बाद पहली बार थामस कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारत ने दूसरे मुकाबले में 5-0 से जीत दर्ज की। इससे पहले उसने रविवार को नीदरलैंड को इसी अंतर से हराया था। ताहिती पर जीत से भारत का ग्रुप सी में शीर्ष दो में स्थान पक्का हो गया। उसका अगला मुकाबला चीन से होगा। बी साई प्रणीत ने शुरूआती एकल में लुइस ब्यूबोइस पर केवल 23 मिनट में 21-5, 21-6 से जीत दर्ज की। इसके बाद समीर वर्मा ने रेमी रॉसी 21-12, 21-12 से हराकर टीम को 2-0 की बढ़त दिलायी। यह मैच 41 मिनट तक चला।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

बेंगलुरू के पूर्व बल्लेबाज का तहलका

ट्रेविस हेड ने 114 गेंदों में जड़ा दोहरा शतक, मारा ऐसा छक्का कि सड़क पर गई गेंद; राह चलते युवक ने किया कैच

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रेविस हेड के बल्ले ने बुधवार को आग उगला। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट मैच में दोहरा शतक जड़ इतिहास रच दिया है। मार्श कप के दौरान साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हुए इस खिलाड़ी ने सिर्फ 114 गेंदों में दोहरा शतक जड़ दिया। हेड इससे पहले घरेलू वनडे क्रिकेट में दो डबल सेंचुरी जड़ चुके हैं। वो ऐसा करने वाले ऑस्ट्रेलिया के पहले खिलाड़ी हैं। आईपीएल में बेंगलुरु के लिए खेल चुके इस खिलाड़ी ने मार्श कप के मैच में 114 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया। हेड ने 127 गेंदों में 230 रनों की धमाकेदार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 28 चौके और 8 छक्के लगाए। 160 रन केवल चौके-छक्के से बनाए।

गेंद गई स्टेडियम से बाहर

अपनी इस धुआंधार पारी के दौरान हेड ने एक ऐसा छक्का मारा कि गेंद स्टेडियम से बाहर सड़क पर चली गई। वहां से गुजर रहे एक युवक ने गेंद को कैच किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हेड की इस पारी की बदौलत साउथ ऑस्ट्रेलिया ने 48 ओवर में 391 रन बनाए। हेड के अलावा जैक विदराल्ड ने 97 रन की पारी खेली। हालांकि वो शतक बनाने में कामयाब नहीं रहे। बारिश की वजह से मैच को 48-48 ओवर का किया गया था।

आईपीएल में दो बार बेंगलुरू की तरफ से खेल चुके

ट्रेविस हेड साल 2016 और 2017 के आईपीएल सीजन में विराट कोहली की अगुआई वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम का हिस्सा थे। उन्होंने टीम की तरफ से 10 मैच खेले और 29.38 के औसत से 205 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक अर्धशतक भी निकला। इसके बाद किसी भी टीम ने इस खिलाड़ी में कोई इंटरेस्ट नहीं दिखाया।

न्यूज़ ब्रीफ

टाटा ईवी में टीपीजी का निवेश

नई दिल्ली। घरेलू वाहन कंपनी टाटा मोटर्स ने आज कहा कि वह यात्री इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार में टीपीजी राइज क्लाइमेट से एक अरब डॉलर (करीब 7,500 करोड़ रुपये) जुटाएगी। यह राशि कारोबार के 9.1 अरब डॉलर तक के मूल्यांकन के आधार पर जुटाई जाएगी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि टाटा मोटर्स और टीपीजी राइज क्लाइमेट ने बाध्यकारी समझौता किया है। इसके तहत टीपीजी राइज क्लाइमेट अपनी सह-निवेशक एडीक्यू के साथ टाटा मोटर्स की सहायक इकाई में निवेश करेगी। इस सहायक इकाई का गठन हाल में हुआ है। बयान के अनुसार टीपीजी राइज क्लामेट अपनी सह-निवेशक के साथ 11 से 15 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 7,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसके आधार पर कंपनी का इक्विटी मूल्यांकन 9.1 अरब डॉलर का आंका गया है। एडीक्यू अबुधाबी सरकार की रणनीतिक साझेदार और क्षेत्र की सबसे बड़ी होल्डिंग कंपनी है। इसका स्थानीय और विदेश की 90 से भी ज्यादा कंपनियों में निवेश है। इस घटनाक्रम पर टाटा मोटर्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा, भारत में इलेक्ट्रिक यात्री वाहन के लिए बाजार तैयार करने के हमारे सफर में टीपीजी राइज क्लाइमेट का साथ मिलने को लेकर हम उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी ग्राहकों के लिए उपयोगी और आकर्षक उत्पाद लाने के लिए निवेश करती रहेगी। चंद्रशेखरन ने कहा, %सरकार ने 2030 तक कुल वाहनों में 30 फीसदी इलेक्ट्रिक वाहन का लक्ष्य रखा है और इसमें अग्रणी भूमिका निभाने के लिए कंपनी प्रतिबद्ध है। नई ई-वाहन कंपनी सभी मौजूदा निवेश और टाटा मोटर्स की क्षमता का लाभ उठाएगी और इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में आगे और निवेश जुटाएगी। कंपनी चार्जिंग के लिए बुनियादी ढांचे और बैटरी प्रौद्योगिकी में भी निवेश आकर्षित करेगी।

एयर इंडियाः बाजार में केंद्रीकरण को बढ़ावा

नई दिल्ली। एयर इंडिया निजीकरण की वजह से भारतीय विमानन उद्योग में बाजार संकेंद्रण बढ़ेगा और यह दूरसंचार के मुकाबले ज्यादा रहेगा। वित्त वर्ष 2020 के राजस्व के आधार पर, अपनी तीन एयरलाइनों के साथ टाटा समूह और इंडिगो एयरलाइंस का करीब 80 प्रतिशत से ज्यादा नियंत्रण है। वहीं वित्त वर्ष 2021 के राजस्व के आधार पर यह 81 प्रतिशत होगा। एयर इंडिया के अलावा, टाटा संस की टाटा एसआईए एयरलाइंस में बड़ी हिस्सेदारी है, जो एयर विस्तारा और एयरएशिया इंडिया का परिचालन करती है। तुलनात्मक तौर पर, रिलायंस जियो और भारती एयरटेल की वित्त वर्ष 2021 में दूरसंचार क्षेत्र में 67 प्रतिशत राजस्व भागीदारी थी। विमानन क्षेत्र में, उद्योग में बाजार भागीदारी का आकलन करने वाला हर्फि डाल-हर्शमान इंडेक्स पूर्व के करीब 2,800 और वित्त वर्ष 2018 के 2,300 से बढ़कर करीब 3,500 की नई ऊंचाई पर पहुंचेगा।

अर्थव्यवस्था में बड़े सुधार के संकेतः IMF का अनुमान-

दुनिया में सबसे तेज बढ़ेगी भारत की इकोनॉमी, इस बार 9.5 फीसदी और अगले साल 8.5 फीसदी रहेगी ग्रोथ रेट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना की दो लहरों से जूझने के बाद भारत की इकोनॉमी में सुधार दिखने लगा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अनुमान जताया है कि भारत की ग्रोथ रेट अगले साल तक दुनिया में सबसे तेज रहेगी। IMF ने भारत के लिए साल 2021 में 9.5 फीसदी और 2022 में 8.5 फीसदी की आर्थिक ग्रोथ का अनुमान जताया है। इसके बाद साफ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था कोरोना की चपेट से बाहर निकल रही है। IMF की चीफ इकोनॉमिस्ट गीता गोपीनाथ ने इस रिपोर्ट के रिलीज होने के बाद कहा कि भारत में वैक्सीनेशन तेजी से हुआ है। इससे अर्थव्यवस्था में तेज रिकवरी में मदद मिली है।

40 साल में पहली बार निगेटिव हुई थी ग्रोथ

वित्त वर्ष 2020-21 में 40 साल में पहली बार देश की आर्थिक ग्रोथ गिरकर निगेटिव 7.3 फीसदी हो गई थी। हालांकि, कोरोना के मामलों में गिरावट के साथ अर्थव्यवस्था की गाड़ी ने भी रफ्तार पकड़ी। नतीजतन मौजूदा वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में आर्थिक ग्रोथ 20.1 फीसदी के रिकॉर्ड पर पहुंच गई। हालांकि, इसकी वजह पिछले साल का कमजोर आधार और कारोबारी गतिविधियों में आई तेजी थी।

अमेरिका और चीन की ग्रोथ भारत से कम रहेगी

IMF मुताबिक अमेरिका की अर्थव्यवस्था की ग्रोथ 2021 में 6 फीसदी और अगले साल 5.2 फीसदी रहने का अनुमान है। वहीं, चीन की अर्थव्यवस्था 2021 में 8 फीसदी और 2022 में 5.6 फीसदी की दर से बढ़ सकती है।

ग्लोबल ग्रोथ 5.9 फीसदी रहेगी

भारत के विकास दर के अनुमानों को इस साल के जुलाई पिछले अनुमान पर स्थिर रखा गया है। हालांकि यह अप्रैल के अनुमान के मुकाबले 1.6 फीसदी कम है। IMF के मुताबिक, ग्लोबल ग्रोथ 2021 में 5.9 फीसदी और 2022 में 4.9 फीसदी रहने का अनुमान है।

RBI को भी 9.5 फीसदी GDP ग्रोथ की उम्मीद

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (GDP) ग्रोथ का अनुमान 9.5 फीसदी रखा है। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में आर्थिक विकास दर 17.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

एयरटेल के राइट्स इश्यू में दांव : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसबीआई सहित बड़े फंड हाउस कर रहे हैं खरीदी, 21 को बंद होगा इश्यू

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल के राइट्स इश्यू में म्यूचुअल फंड कंपनियों की अच्छी खासी दिलचस्पी है। बड़े फंड हाउस जैसे SBI, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल HDFC, HSBC म्यूचुअल फंड इस राइट्स इश्यू में खरीदारी कर रहे हैं। भारती एयरटेल का राइट्स इश्यू 21 अक्टूबर को बंद होगा। कंपनी इसके जरिए 21 हजार करोड़ रुपए जुटाने का

लक्ष्य रखी है। कंपनी का दो साल बाद यह दूसरा राइट्स इश्यू है। इससे पहले मई 2019 में कंपनी ने 25 हजार करोड़ रुपए जुटाया था। इस बार कंपनी शेयर प्राइस की तुलना में डिस्काउंट पर शेयर दे रही है। 535 रुपए प्रति शेयर के भाव पर इसे खरीदा जा सकता है। बुधवार को शेयर 694 रुपए पर कारोबार कर रहा था। राइट्स इश्यू में उन निवेशकों को शेयर मिलेगा, जिनके पास पहले से शेयर है। हर 14 शेयर पर एक शेयर मिलेगा। निवेशक अगर इस शेयर को नहीं लेना चाहते हैं तो वे इसे बेच भी सकते हैं। एयरटेल का एंटाइटल शेयर पिछले हफ्ते एक्सचेंज पर लिस्ट हुआ था। यह 192 रुपए पर लिस्ट हुआ था और 209 रुपए पर कारोबार कर रहा था। यानी 33 फीसदी प्रीमियम पर लिस्ट हुआ था। इसका राइट्स एंटाइटल का वैल्यू 146 रुपए था। निवेशकों को पहले चरण में केवल 133.75 रुपए का पेमेंट 21 अक्टूबर से पहले करना होगा। उसके बाद बाकी पैसा किस्तों में देना होगा। रिटेल निवेशक 14 अक्टूबर तक एंटाइटलमेंट के तहत शेयर्स को बेच सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड हाउसों के पास पहले से एयरटेल का शेयर है। इसलिए वे बड़े पैमाने पर इसमें सस्ते भाव पर दांव लगा रहे हैं।

रेशामंडी ने तीन करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। देश में रेशम के किसानों, कारोबारों और खुदरा विक्रेताओं के लिए बीटुबी मार्केटप्लेस के रूप में सेवा दे रहे रेशम-तकनीक वाले देश के पहले स्टार्टअप रेशामंडी ने वैश्विक वैकल्पिक निवेश प्रबंधक क्रिएशन इन्वेस्टमेंट्स और अन्य निवेशकों की अगुआई में तीन करोड़ डॉलर के सीरीज ए दौर की घोषणा की है। इस दौर में इक्विटी और कुछ ऋणों का संयुक्त रूप दिखाई दिया है। इक्विटी वाले वित्त पोषण में 9 यूनिकॉर्न्स, वेंचर कैटालिस्ट्स, नेक्सस से संदीप सिंघल, इंडियामार्ट के संस्थापक बृजेश अग्रवाल और ओमनिवोर जैसे नए निवेशक शामिल हैं।

सरकार ने विमानन कंपनियों पर क्षमता की पाबंदी हटाई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

नागर विमानन मंत्रालय ने पिछले साल मई में विमानन कंपनियों का दोबारा परिचालन शुरू होने के बाद पहली बार घरेलू उड़ानों के आवागमन पर प्रतिबंध हटा दिए हैं। इसका मतलब है कि विमानन कंपनियां 18 अक्टूबर से 100 फीसदी क्षमता पर चल सकेंगी। हालांकि सरकार ने अभी किराये की अधिकतम सीमा खत्म नहीं की है। मंत्रालय ने आज अपने आदेश में कहा कि क्षमता पर बंदिश हटाने का फैसला तय घरेलू परिचालनों की मौजूदा स्थिति की समीक्षा के बाद लिया गया है। सरकार ने पिछले महीने विमानन कंपनियों को अपनी क्षमता 72.5 फीसदी से बढ़ाकर 85 फीसदी करने की मंजूरी दी थी। यह फैसला त्योहारी सीजन के समय लिया गया है, जिसमें सीट भरने की गति बढ़ी है और उड़ानों में बढ़ोतरी हुई है। शनिवार को तीन लाख यात्रियों ने हवाई सफर किया, जो फरवरी के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। इस महीने के पहले सात दिनों में 17 लाख यात्रियों ने हवाई सफर किया है। यह सितंबर की इसी अवधि की तुलना में 10 फीसदी अधिक है। वहीं उड़ानों की संख्या में भी करीब 8 फीसदी इजाफा हुआ है। इस समय विमानन कंपनियां 70 से 75 फीसदी क्षमता पर चल रही हैं, जबकि दैनिक यात्रियों की संख्या महामारी से पहले के स्तर की 60 से 70 फीसदी है। इंडिगो के एक प्रवक्ता ने कहा, यह स्वागत योग्य कदम है। हमें लगता है कि हाल की दबी हुई मांग और आगे त्योहारी सीजन होने से महामारी से पहले के स्तरों पर उड़ानों का परिचालन करना बहुत अच्छा होगा। हमारा घरेलू यात्रा की वृद्धि और मांग को लेकर बहुत सकारात्मक रुख है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिंदी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

रियलमी जीटी निओ 2 लॉन्च : 19 जीबी रैम का कॉम्बिनेशन मिलेगा, 36 मिनट में फुल चार्ज हो जाएगा

» फेस्टिवल ऑफर में 7000 रुपए का डिस्काउंट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रियलमी ने भारतीय बाजार में अपना नया जीटी निओ 2 स्मार्टफोन लॉन्च कर दिया है। ये कंपनी का नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन है, जो खासतौर से गेमिंग लवर्स के लिए डिजाइन किया गया है। फोन में 120H5 रिफ्रेश रेट वाला एमोलेड डिस्प्ले और ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप किया गया है। ये 5त्र कनेक्टिविटी को भी सपोर्ट करता है। ये 65 वॉट की चार्जिंग को सपोर्ट करता है। इसमें डॉल्बी एटम सपोर्ट भी मिलेगा।

रियलमी जीटी निओ 2 की कीमत

कंपनी ने इस फोन को दो रैम और स्टोरेज वैरिएंट में लॉन्च किया है। 8जीबी और 128जीबी ऑनबोर्ड स्टोरेज वैरिएंटी की कीमत 31,999 रुपए है। वहीं, 12जीबी रैम और 256जीबी ऑनबोर्ड स्टोरेज वैरिएंट की कीमत 35,999 रुपए है। फोन को निओ ब्लैक, निओ ब्लू और निओ ग्रीन कलर ऑप्शन में खरीद पाएंगे।

7000 रुपए का फेस्टिवल ऑफरः- इस फोन की बिक्री 17 अक्टूबर से कंपनी की ऑफिशियल वेबसाइट और फ्लिपकार्ट के साथ देशभर के रिटेल स्टोर्स पर की जाएगी। लॉन्चिंग और फेस्टिवल ऑफर के चलते फोन पर 7000 रुपए का डिस्काउंट भी मिलेगा। फ्लिपकार्ट प्लस मेंबर्स इस फोन को 16 अक्टूबर से खरीद पाएंगे।

रियलमी जीटी निओ 2 के स्पेसिफिकेशंस

ये स्मार्टफोन डुअल-नैनो सिम को सपोर्ट करता है। फोन एंड्रॉयड 11 बेस्ट रियलमी I 2.0 ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करता है। इसमें 6.62-इंच फुल-HD+ सैमसंग E4 डिस्प्ले दिया है। इसका डिस्प्ले रिफ्रेश रेट 120 ॥5 है। ये HDRv®+ को सपोर्ट करता है। फोन में क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 870 प्रोसेसर के साथ 12जीबी तक मिलेगी। इसके साथ इसमें 7जीबी वर्चुअल रैम मिलेगी। ये ऐप्स के बीच होने वाले ट्रांजैक्शन को स्पीड देता है। यानी फोन में कुल 19जीबी रैम मिलेगी। फोन में 256जीबी UFS 3.1 तक स्टोरेज दिया है। बात करें फोन के कैमरा की तो, इसमें ट्रिपर रियर कैमरा सेटअप किया गया है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।